A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 357, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

तेल के खेल में अब वेनेज़ुएला पर आग बरसायेंगे ट्रंप!

पंकज श्रीवास्तव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने CIA को वेनेज़ुएला के खिलाफ गुप्त सैन्य कार्रवाई की अनुमति दे दी है। तेल संपदा पर नियंत्रण को लेकर यह कदम 'तेल युद्ध' की दिशा में एक नया मोड़ माना जा रहा है।

वेनेज़ुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को हाल ही में नोबेल शांति पुरस्कार मिला, जिसे उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्पित कर दिया। और अब ख़बर आयी है कि ट्रंप ने CIA को वेनेज़ुएला के खिलाफ गुप्त सैन्य कार्रवाई की मंजूरी दे दी है। वैसे, यह अभियान सितंबर से ही जारी है जिसमें अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में इस आरोप में दम लगता है कि नोबल शांति पुरस्कार भी एक रणनीति का हिस्सा है। विपक्ष के नेता के सम्मान और ट्रंप के वेनेज़ुएला में सैन्य हस्तक्षेप की तैयारी में सीधा सम्बंध है। वेनेज़ुएला में दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है जिसे मचाडो अमेरिकी कंपनियों के हवाले करने का वादा कर रही हैं।

15 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस से एक बड़ा फरमान जारी किया। दुनिया भर में सत्ता पलट के लिए बदनाम अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA यानी सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी को वेनेज़ुएला में खुफिया कार्रवाई की इजाजत दे दी गई। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक़, ये ऑपरेशन ट्रंप के स्टेट सेक्रेटरी मार्को रुबियो और सीआईए चीफ जॉन रैटक्लिफ ने तैयार किया। ट्रंप ने दो मुख्य वजहें बतायीं: वेनेज़ुएला ने अपनी जेलों के कैदियों को अमेरिका में छोड़ दिया है। वेनेज़ुएला से समुद्र के रास्ते भारी मात्रा में ड्रग्स आते हैं, और अब हम इन्हें जमीन के रास्ते भी रोकेंगे।

इस मंजूरी से CIA वेनेज़ुएला में एकतरफा या व्यापक अमेरिकी सैन्य गतिविधि के हिस्से के तौर पर अभियान चला सकेगी। लेकिन हकीकत ये है कि वेनेज़ुएला के खिलाफ कोवर्ट (गुप्त) कार्रवाइयां सितंबर से ही जारी हैं। कैरेबियन सागर में अमेरिकी सुरक्षा बलों ने ड्रग तस्करी के शक में कई नावों पर कम से कम पाँच हमले किए, जिसमें 27 लोगों की मौत हुई। ट्रंप ने इन्हें 'नार्को-टेररिस्ट' कहा, जो अमेरिका में ड्रग्स सप्लाई करना चाहते थे। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इन्हें 'गैर-कानूनी हत्याएँ' करार दिया।

वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने इसे संप्रभुता पर हमला बताया। कई दक्षिण अमेरिकी देशों ने भी इसे लेकर अमेरिका की निंदा की। मादुरो ने शांति की अपील करते हुए सेना और 45 लाख की जन मिलिशिया को अलर्ट कर दिया है। लेकिन इस ऑपरेशन से वेनेज़ुएला की मुख्य विपक्षी नेता मचाडो बेहद खुश हैं कि ट्रंप ने उनकी अपील सुन ली।

वेनेज़ुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर तानाशाही का आरोप लगाती हैं और कहती हैं कि चुनाव में धांधली से मादुरो सत्ता में हैं। 58 साल की मचाडो 2024 चुनाव में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनना चाहती थीं, लेकिन कोर्ट ने रोक दिया। उन्होंने ट्रंप से मदद की गुहार लगाते हुए साफ वादे किये हैं। उन्होंने कहा-

निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के लिए ट्रंप से सहायता चाहिए। उनकी सरकार आने पर तेल उत्पादन दोगुना कर इसका व्यापार निजीकरण होगा। निजी तेल कंपनियों को कॉन्ट्रैक्ट देकर 140 लाख करोड़ रुपये का विदेशी निवेश लाया जाएगा।

ये आश्चर्यजनक है कि एक नेता उसी अमेरिका को हस्तक्षेप के लिए आमंत्रित कर रही है, जिसने लैटिन अमेरिका में बार-बार तख्तापलट कराए और संसाधनों की लूट की। उनकी बातों से साफ है- ड्रग माफिया बहाना है, असल खेल तेल का है।

वेनेज़ुएला में दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार (300 बिलियन बैरल) है, जिस पर अमेरिका की नजर टिकी है। मौजूदा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की नज़र में मचाडो अमेरिकी एजेंट हैं। नोबेल मिलने के बाद वेनेज़ुएला ने नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में दूतावास बंद कर दिया (नॉर्वे की नोबेल समिति पुरस्कार देती है)। मादुरो पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के उत्तराधिकारी हैं, जिनकी क्रांतिकारी दास्तान लैटिन अमेरिका में किंवदंती है—हालांकि अमेरिका उन्हें तानाशाह मानता था।

शावेज ने वेनेज़ुएला की राजनीति बदल दी थी। वे पहले सेना में अफसर थे और क्यूबा की क्रांति और फिदेल कास्त्रो से प्रभावित थे। 1992 में उन्होंने तख्तापलट का असफल प्रयास किया था। गिरफ्तारी के बाद उनकी लोकप्रियता बढ़ी। 1998 में राष्ट्रपति का चुनाव उन्होंने शानदार तरीक़े से जीता था। 1999 में उन्होंने नई संविधान सभा बुलायी। नये संविधान को 15 दिसंबर को जनता ने मंज़ूरी दी जिसमें गरीबों को शिक्षा, स्वास्थ्य, जमीन का अधिकार मिला। 2005 में शावेज़ ने '21वीं सदी का सोशलिज्म' की सैद्धांतिक घोषणा की। यह लोकतांत्रिक, पार्टिसिपेटरी (लोगों की भागीदारी), इकोलॉजिकल (पर्यावरण-अनुकूल), फेमिनिस्ट (महिलाओं के अधिकार) समाजवाद था। वेनेज़ुएला के तेल निर्यात से हुई कमाई से मिशन प्रोग्राम्स चले। लाखों को घर, स्कूल, डॉक्टर मिले। PDVSA (तेल कंपनी) का राष्ट्रीयकरण किया।

लेकिन इससे अमेरिकी कारपोरेट कंपनियाँ नाराज हो गयीं। शावेज का अमेरिका-विरोध चुभ रहा था। उन्हें सत्ता से हटाने की तैयारी होने लगी। 2001 से CIA ने तख्तापलट की कोशिशें शुरू कर दीं और 11 अप्रैल 2002 को तख्तापलट हो गया। विपक्षी प्रदर्शन से शुरुआत हुई जिसमें 19 लोगों की मौत हुई। अमेरिका-समर्थित पेड्रो कारमोना ने खुद को अंतरिम राष्ट्रपति घोषित किया और शावेज़ गिरफ्तार हो गये। लेकिन 47 घंटे में जनता के विरोध और शावेज़ के वफ़ादार सैनिकों के विद्रोह के चलते शावेज़ फिर सत्ता में लौट आये। तख्तापलट में CIA फंडिंग के साफ़ सबूत मिले। 20 सितंबर 2006 को शावेज़ ने यूएन में ऐतिहासिक भाषण दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा- 'कल यहां शैतान आया था, सल्फर की गंध आ रही है!' 2007 में उन्होंने PSUV (यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेज़ुएला) बनायी। 2011 में कैंसर के शिकार बने लेकिन अगले साल फिर राष्ट्रपति चुने गये पर 5 मार्च 2013 को उनकी मौत हो गयी जिसके बाद उपराष्ट्रपति मादुरो ने सत्ता संभाली।

शावेज की कहानी बताती है कि वेनेज़ुएला का मौजूदा संकट ऐतिहासिक सिलसिले की कड़ी है। मचाडो वही करना चाहती हैं जिसके खिलाफ शावेज लड़े। तेल पर जनता का हक अमेरिका को तानाशाही लगता है– यानी लूट की छूट न हो तो तानाशाही! वरना मध्य पूर्व-अफ्रीका के तानाशाहों से अमेरिका गलबहियां करता है। वेनेज़ुएला के खिलाफ़ अमेरिकी कार्रवाई के फ़ैसले का दक्षिण अमेरिका के कई देशों ने विरोध किया है।

इससे यह भी लगता है कि नोबेल पुरस्कार भी राजनीति से ऊपर नहीं है। वहीं मचाडो को सम्मान देना अमेरिकी साम्राज्यवाद के सामने समर्पण ही है। कम से कम दक्षिण अमेरिकी जनता यही मानती है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

गुजरात कैबिनेट में 19 नए चेहरे, 3 महिलाओं को जगह

● पहले 16 मंत्रियों का लिया इस्तीफा, फिर 26 की शपथ ● सीएम भूपेन्द्र पटेल समेत कुल 8 मंत्री पटेल समाज से

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में भाजपा ने महज 3 साल में सीएम भूपेंद्र पटेल के अलावा लगभग पूरी सरकार बदल दी। पार्टी ने गुरुवार को 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया और शुक्रवार को 26 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। कैबिनेट में 19 नए चेहरे हैं, जबकि पिछली बार के 6 मंत्री ही अपना पद कायम रख पाए हैं। वहीं, 8 ओबीसी, 3 एससी, 4 एसटी और 3 महिलाएं हैं। सीएम समेत 8 मंत्री पटेल समाज से हैं। खास बात यह है कि हटाए गए मंत्रियों पर न तो कोई आरोप था और न कोई कानूनी केस। इसके बावजूद सरकार में बड़े फेरबदल को गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

भाजपा ने महज 3 साल में सीएम के अलावा पूरी सरकार को बदल दिया है। पार्टी ने भूपेंद्र पटेल के सभी 16 मंत्रियों से इस्तीफा देने को कहा, ताकि नया मंत्रिमंडल बनाने के लिए पूरी आजादी मिले।

हर्ष सिंघवी का प्रमोशन जडेजा की पत्नी भी मंत्री

शुक्रवार को सबसे पहले हर्ष संघवी ने शपथ ली। उन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया है। पहले वे राज्य के गृह मंत्री थे। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को भी मंत्री बनाया गया है। गुजरात कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिसमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री थे। अब यह संख्या बढ़कर 26 हो गई है। भूपेन्द्र पहली बार सितंबर 2021 में सीएम बने थे। तब विजय रूपाणी को अचानक हटाकर उन्हें सीएम बनाया था। फिर विधानसभा चुनाव के बाद 12 दिसंबर 2022 को वह तीसरी बार सीएम और 16 विधायक मंत्री बने।

सुप्रभात

तुम्हारी राह में मिट्टी के घर नहीं आते
इसी लिए तो तुम्हें हम नज़र नहीं आते
मोहब्बतों के दिनों की यही ख़राबी है
ये रूठ जाएँ तो फिर
लौट कर नहीं आते
जिन्हें सलीक़ा है
तहज़ीब–ए–ग़म समझने का
उन्हीं के रोने में आँसू
नज़र नहीं आते
ख़ुशी की आँख में आँसू
की भी जगह रखना
बुरे ज़माने कभी पूछ कर नहीं आते
बिसात–ए–इश्क़ पे
बढ़ना किसे नहीं आता
ये और बात कि बचने
के घर नहीं आते
'वसीम' ज़ेहन बनाते हैं
तो वही अख़बार
जो ले के एक भी अच्छी
ख़बर नहीं आते।

– वसीम बरेलवी

नेता प्रतिपक्ष के तौर पर लोकतंत्र को कलंकित कर रहे राहुल गांधी : सीएम

पटना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बिहार के गया टाउन में पार्टी प्रत्याशी डॉ. प्रेम कुमार के समर्थन में नामांकन दाखिल कराया एवं हिसुआ विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह से आज देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार चल रही है, बिहार के विकास के लिए जरूरी है कि वह भी कदम से कदम मिलाकर उसी लाइन पर चले। देश के दुश्मनों से निपटने के लिए, बदलते दौर में भारत को दुनिया में आगे बढ़ाने के लिए दिल्ली और पटना दोनों जगह एनडीए की सरकार चाहिए। आप सभी मेरे साथ हाथ उठाकर संकल्प लें कि इस चुनाव में जब तक हर वोट भाजपा और एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में नहीं डल जाता, चैन से नहीं बैठेंगे। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी उपस्थित रहे।

सम्राट अशोक ने कराया था दुनिया से एक अलग भारत का परिचय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और बिहार का नाता बहुत खास रहा है। मेरी अपनी कुलदेवी बिहार में हैं। लगभग 2200 साल पहले सम्राट अशोक युवराज के रूप में मध्यप्रदेश के उज्जैन में पदस्थ रहे थे और वहां से लौटकर ही वे सम्राट बने। इसके बाद उन्होंने सारी दुनिया में भारत का परिचय एक अलग प्रकार से कराया। बिहार ने देश को उसका राष्ट्रीय चिह्न जिसे अशोक चिह्न कहते हैं, प्रदान किया। सनातन संस्कृति से संबंध रखने वाले हर व्यक्ति का सपना होता है कि वह किसी और तीर्थ के दर्शन के लिए जा पाए या न जा पाए, लेकिन एक बार अपने पितरों को नमन करने गया जी जरूर चला जाए।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहा भारत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम सब देख रहे हैं कि बदलते दौर में आज सारी दुनिया भारत की तरफ देख रही है। ऐसे समय में हमारी भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है, जो अनेक विशेषताओं वाली पार्टी है। इस पार्टी के कारण ही आज देश में सच्चे अर्थों में लोकतंत्र जिंदा है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी की यात्रा चल रही है, तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की विजय यात्रा चल रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। वहीं, नितीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने बिहार को भी विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। बिहार में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं रही, क्षमता और योग्यता की कमी नहीं रही।

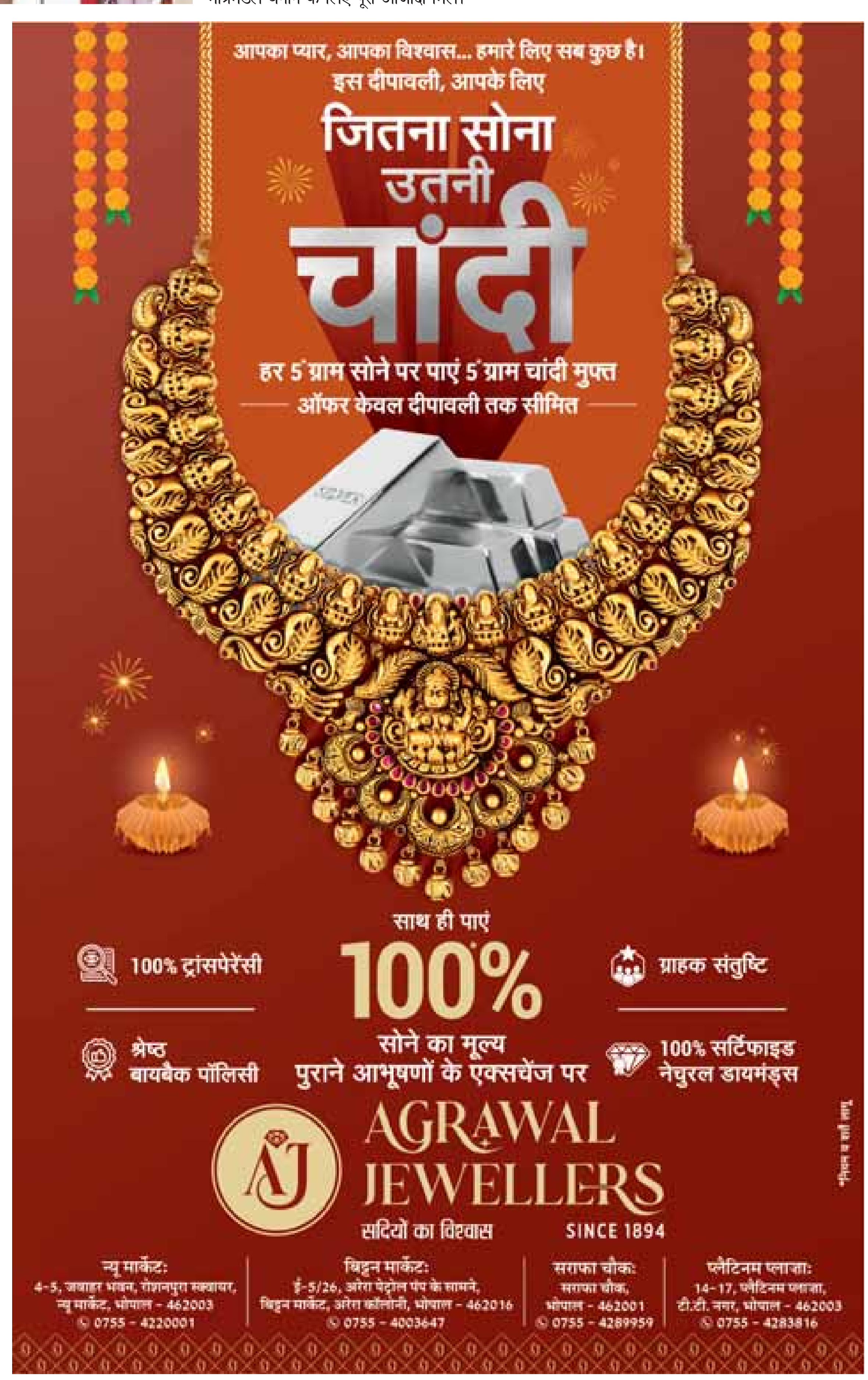

पंजाब डीआईजी के घर से 7 करोड़ नगद बरामद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और उनके बिचौलिए कृष्णु को शुक्रवार को चंडीगढ़ की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस दौरान भुल्लर ने रुमाल से चेहरा ढका हुआ था। इस पर जज ने कहा कि अपने चेहरे से रुमाल हटाइए। वहीं मीडिया के पूछने पर भुल्लर केवल इतना ही बोले- कोर्ट इंसाफ करेगा। इस बीच भुल्लर के वकील एचएस धनोआ ने कहा कि भुल्लर को करीब 11.30 हिरासत में लिया गया, मगर गिरफ्तारी रात 8 बजे डाली है। डीआईजी की रात बुड़ैल जेल में कटेगी। भुल्लर के घर 21 घंटे तक सीबीआई की रेड चली। चंडीगढ़ के सेक्टर-40 स्थित घर से बरामद रकम 7 करोड़ तक पहुंच गई है। इसके अलावा 15 से ज्यादा प्रॉपर्टी, ऑडी व मर्सिडीज की चाबी, लग्जरी घड़ियां, विदेशी शराब, 3 हथियार भी मिले। यह सारा सामान जब्त कर ऑफिस ले जाया गया।

इतनी बड़ी रकम 1 दिन में नहीं आई होगी : राज्यपाल

डीआईजी भुल्लर के केस में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इस स्तर पर भी अगर ऐसी घटनाएं हो रही हैं तो यह बेहद चिंताजनक है। हमें यह दिखाई क्यों नहीं दे रहा। हमारे पास इतना बड़ा प्रशासनिक अमला है, फिर भी ऐसी स्थिति पैदा हो गई। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता। अखबारों में खबर आई है कि सात करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। यह रकम एक दिन में तो इकट्ठी नहीं हुई होगी। इतना बड़ा पुलिस अफसर और इतना बड़ा विभाग होने के बावजूद, बाहर की एजेंसी को आकर कार्रवाई करनी पड़ी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30 °c
न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 18 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मुख्यमंत्री आज पूरा दिन किसानों के बीच रहेंगे, किसानों के साथ मनायेंगे धनतेरस

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार 18 अक्टूबर को सुबह से देर शाम तक किसान भाइयों के बीच रहेंगे और उनके साथ धनतेरस मनायेंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित किसान सम्मेलन में किसान भाइयों से सीधा संवाद भी करेंगे। इसके बाद राजगढ़ जिले के ब्यावरा और सीहोर जिले के बिलकिसगंज झागरिया में आयोजित किसान सम्मेलनों में शामिल होकर किसानों को राहत राशि का वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यावरा में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को 277 करोड़ रूपये की राहत राशि का अंतरण करेंगे एवं 33 करोड़ रूपये की लागत की ब्यावरा नगर जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां 193 करोड़ रूपये की लागत के 41 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीहोर जिले के बिलकिसगंज झागरिया में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होंगे और यहां जिले के 2 लाख से अधिक किसानों को फसल क्षति की 118 करोड़ रूपये से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक के जरिए किसानों के खाते में अंतरित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के साथ धनतेरस और दीपावली पर्व की शुरुआत करेंगे। किसान भाई सोयाबीन की फसल को भावांतर योजना के दायरे में लाने की युगांतकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार भी व्यक्त करेंगे। इस किसान सम्मेलन में नर्मदापुरम, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन और विदिशा जिलों के करीब 2500 से अधिक प्रगतिशील किसान शामिल होंगे।

किसान सम्मेलन का उद्देश्य प्रदेश के किसानों को भावांतर भुगतान योजना की जानकारी देना और उन्हें योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी किसानों को योजना की प्रक्रिया, पात्रता तथा लाभ वितरण से संबंधित विस्तृत जानकारी देंगे। भावांतर योजना के तहत प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसान 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक अपनी फसल कृषि उपज मंडियों में विक्रय कर सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा योजना में पात्र किसानों के आधार लिंक बैंक खातों में भावांतर की राशि फसल विक्रय के 15 दिन के भीतर सीधे जमा कर दी जाएगी। ई-उपार्जन पोर्टल पर भावांतर योजना के लिए किसानों का पंजीयन कार्य 17 अक्टूबर तक पूरा किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र किसान इस योजना का लाभ पाने से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री निवास में किसान सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों के बीच उनसे उनके हित की बात करेंगे। किसानों से संवाद में मुख्यमंत्री राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के विकास की दिशा में उठाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी कदमों और नवाचारों पर भी प्रकाश डालेंगे।

ब्यावरा में किसानों के खातों में 277 करोड़ तो सीहोर के बिलकिसगंज में 118 करोड़ की राशि होगी अंतरित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 18 अक्टूबर को राजगढ़ एवं सीहोर जिले के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यावरा में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को 277 करोड़ रूपये की राहत राशि का अंतरण करेंगे एवं 33 करोड़ रूपये की लागत की ब्यावरा में नगर जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री 193 करोड़ रूपये लागत के 41 विकास कार्यों का भी भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीहोर जिले के बिलकिसगंज में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जिले के 02 लाख से अधिक किसानों को फसल क्षति की 118 करोड़ रूपये से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम किसानों के खाते में अंतरण करेंगे।

पाकिस्तान के नॉर्थ वजीरिस्तान में आर्मी कैंप पर हमला

- 7 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत,13 घायल,4 उग्रवादी भी मारे गए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के नॉर्थ वजीरिस्तान के मीर अली इलाके में शुक्रवार को आत्मघाती हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में 7 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। इसके अलावा 13 घायल हुए हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक हमले के लिए जिम्मेदार 4 उग्रवादी भी मारे गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक उग्रवादी ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को आर्मी कैंप की दीवार से टकरा दिया। इसके अलावा तीन कैंप के

अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे, जो जवाबी कार्रवाई में मारे गए। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया है कि हमले में उनका कोई भी सैनिक नहीं मारा गया है। पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने उग्रवादियों से निपटने के लिए सुरक्षाबलों की तारीफ की है। उन्होंने कहा- हमारे बहादुर जवानों को सलाम, जिन्होंने ख्वारिज (आतंकियों) की नापाक साजिश को नाकाम कर दिया। पूरी कौम को अपने वीर सैनिकों पर गर्व है। पिछले कुछ हफ्तों में उत्तरी वजीरिस्तान और अन्य क्षेत्रों में उग्रवादियों के हमले बढ़े हैं।

अमेरिकी हमले के जवाब में टीटीपी का गठन

2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले का समर्थन किया। इससे नाराज होकर 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बनाया। टीटीपी ने कबायली इलाकों में शरिया कानून लागू किया और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगानिस्तान में विदेशी सैनिकों पर हमले किए।

बिहार चुनाव में एनडीए ने झोंकी ताकत तेज किया प्रचार

- बीजेपी के चुनाव प्रचार में छाया हिंदुत्व का मुद्दा, खेला जारी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर खत्म हो गई है। एक तरफ एनडीए टिकट वितरण से निश्चिंत हो कर प्रचार में जुट गया हो तो दूसरी तरफ महागठबंधन अभी भी सीटों के बंटवारा और समायोजन में ही उलझा हुआ है। स्थिति ये है कि मुकेश सहनी की सीट (गौरा बौड़ाम) गुरुवार देर रात फाइनल हुई जिसकी वजह से उन्हें बेहद हड़बड़ी में आखिरी दिन नामांकन करना पड़ा। मुकेश सहनी की पार्टी को 15 सीट मिली है। राजद, कांग्रेस और वाम दल अंत अंत सीटों की पेच सुलझाने में लगे रहे। इनके लिए फिलहाल सिम्बल बांटना ही आसान लग रहा है। इस आपाधापी में झगड़े की नौबत आ गयी है। जैसे बछ्वाड़ा सीट पर कांग्रेस और सीपीआई दोनों ने उम्मीदवार खड़ा कर दिया है।

भाजपा के 3 मुख्यमंत्रियों ने संभाला मोर्चा

टिकट वितरण से निश्चिंत हो कर भाजपा ने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। भाजपा के चार बड़े नेता अलग अलग प्रत्याशियों के नामांकन में आये और चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भाजपा प्रत्याशियों के जनसमर्थन के लिए पटना पहुंचे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी पहली चुनावी सभा में ही हिंदुत्व की भावना उभारने की कोशिश की। यानी इस चुनाव में भाजपा के लिए हिंदुत्व भी एक चुनावी मुद्दा होगा।

रेखा गुप्ता बोलीं, छठी मईया की जय

रेखा गुप्ता लखीसराय के भाजपा उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा में शामिल हुई। रेखा गुप्ता ने लखीसराय के प्रसिद्ध शिव मंदिर, अशोक धाम के जयकारे से अपने भाषण की शुरुआत की। फिर उन्होंने 10 दिन बाद से शुरू हो रही छठ पूजा को ध्यान में रख कर छठी मईया की जय, का भी उद्घोष किया। एक राजनीतिक सभा में उन्होंने आध्यात्मिक रंग घोल दिया। रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार से लगाव का जिक्र करते हुए कहे, 11 साल में वे 58 बार बिहार आ चुके हैं। इससे उनके बिहार के विकास की फिक्र को समझा जा सकता है। विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा को केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और जीतन राम मांझी ने भी संबोधित किया।

आसमान में स्वदेशी योद्धा!

तेजस ने भरी पहली उड़ान

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रॉडक्शन यूनिट का किया उद्घाटन

- यहां हर साल 8 तेजस बनाए जाएंगे,अभी आठ बनाए जा रहे

नासिक (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को मार्क 1 ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में तेजी लाने के मकसद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र के नासिक में तीसरी प्रोडक्शन लाइन शुरू की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। नासिक के ओझर की इस फेसिलिटी में बने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने शुक्रवार को पहली उड़ान भरी। इस प्रोडक्शन लाइन के जरिए वायुसेना को 2032-33 तक 180 तेजस विमानों की आपूर्ति करने में मदद करेगी। यहां अभी आठ फाइटर जेट बनाए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 10 किया जा सकता है। वायुसेना के लिए तेजस विमान बना रही एचएएल को सितंबर में ही अमेरिका ने इसका चौथा इंजन भेजा था। इस फाइटर जेट की खूबियों में से एक है कि इसके विंग्स (पंखों) में 9 जगह मिसाइलें फिट होती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर तेजस मार्क-1ए की औसत कीमत 600 करोड़ रुपए है। फाइटर जेट रफ्तार 2205 किमी/घंटा यानी ध्वनि से भी करीब दोगुनी तेज है। इसका प्रोडक्शन देश की 500 से ज्यादा घरेलू कंपनियों ने मिलकर किया है, इसलिए इसे स्वदेशी तेजस भी कहा जा रहा है। केंद्र ने 19 अगस्त को वायुसेना को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने की हरी झंडी दी थी। इसके बाद 25 सितंबर को रक्षा मंत्रालय ने एचएएलको कॉन्ट्रैक्ट दिया था। केंद्र ने एचएएल के साथ 62,370 करोड़ की डील की है। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे। तेजस मार्क-1ए के 65 फीसदी से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं।

उदय प्रताप सिंह को दिया जाएगा आचार्य द्विवेदी युग प्रेरक सम्मान

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का होगा नागरिक अभिनंदन

रायबरेली। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास एवं राष्ट्रीय स्मारक समिति ने अपने वार्षिक सम्मानों की घोषणा कर दी। इस वर्ष का आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युग प्रेरक सम्मान देश के प्रख्यात कवि एवं पूर्व सांसद डॉ. उदय प्रताप सिंह को दिया जाएगा।

समिति के अध्यक्ष विनोद शुक्ल ने बताया कि सात दशक से गीत गजल के माध्यम से समाज को दिशा देने वाले डॉ. उदय प्रताप सिंह उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य भी रहे। उनकी लंबी सेवाओं को देखते ही समिति ने आचार्य द्विवेदी सम्मान समर्पित करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि डॉ. राम मनोहर त्रिपाठी लोक सेवा सम्मान मुंबई के स्केच आर्टिस्ट नितिन महादेव यादव को दिया जाएगा। पेशे से शिक्षक रह चुके नितिन महादेव यादव अपनी कला के माध्यम से मुंबई पुलिस को हजारों अपराधियों को जेल के सींखचों के पीछे पहुंचाने और सजा दिलाने में निशुल्क मदद कर रहे हैं।

संयोजक गौरव अवस्थी ने बताया कि इस वर्ष स्पेस मिशन से सकुशल लौटे लखनऊ निवासी विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। न्यास के निर्णय से शुभांशु के माता-पिता को अवगत कराया गया है। जल्दी ही स्वीकृत प्राप्त हो जाएगी। नासा के स्पेस मिशन में भारत की तरफ से शुभांशु शुक्ला को चुना गया था।

कोषाध्यक्ष विनय द्विवेदी ने बताया कि इस वर्ष से जनपद के महान शास्त्रीय गायक एवं दो दो पद्म सम्मानों से विभूषित उस्ताद अब्दुल रशीद खां एवं उस्ताद शायर वाकिफ रायबरेलवी की स्मृति में नए सम्मान प्रारंभ किया जा रहे हैं। उस्ताद अब्दुल रशीद खां सम्मान अयोध्या की प्रख्यात लोकगीत गायिका श्रीमती संजोली पांडे एवं वाकिफ रायबरेली सम्मान प्रयागराज के मरहूम शायर डॉ जमीर अहसन को मरणोपरांत दिया जाएगा। सभी सम्मान फिरोज गांधी कॉलेज प्रांगण में 1 से 9 नवंबर के बीच आयोजित पुस्तक मेले के दौरान प्रदान किए जाएंगे।

एमईआईएल को मिली 225.5 मिलियन डॉलर की परियोजना

हैदराबाद। मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (एमईआईएल) को कुवैत ऑयल कंपनी (केओसी) से 225.5 मिलियन डॉलर (करीब ?1,875 करोड़) की अंतरराष्ट्रीय परियोजना मिली है। इसके तहत कंपनी वेस्ट कुवैत के ऑयल फील्ड्स में अत्याधुनिक गैस स्वीटनिंग और सल्फर रिकवरी सुविधा का निर्माण, संचालन और रखरखाव करेगी।

यह प्लांट 'बिल्ड-ओन-ऑपरेट' मॉडल पर बनेगा, जिसे 790 दिनों में तैयार कर पांच वर्षों तक एमईआईएल संचालित करेगी। इसकी प्रोसेसिंग क्षमता 120 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक फीट प्रति दिन होगी। संयंत्र में दो सल्फर रिकवरी यूनिट्स लगेंगी, जो 100 टन प्रतिदिन की क्षमता से सल्फर निकालेंगी।

गैस स्वीटनिंग प्रक्रिया में प्राकृतिक गैस से हानिकारक गैसें हटाकर स्वच्छ ईंधन तैयार किया जाएगा। शुद्ध गैस को कुवैत के पाइपलाइन नेटवर्क से मीना अहमदी रिफाइनरी भेजा जाएगा।एमईआईएल इस समय मंगोलिया, तंजानिया व इटली सहित कई देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। यह उपलब्धि कंपनी की वैश्विक क्षमताओं और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भोपाल में बाउंसर ने केयर टेकर से रेप किया

घुमाने के बहाने बुलाया और होटल के रूम में की वारदात

भोपाल (नप्र)। भोपाल की कोलार थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर एक पब के बाउंसर के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज की है। युवती एक बुजुर्ग दंपती के पास केयर टेकर के तौर पर काम करती है। आरोपी और पीड़िता के बीच करीब दो सालों से रिलेशन थे। जब युवक ने शादी करने से इनकार कर दिया है। तब पीड़िता ने केस दर्ज कराया है।

आरोपी युवक की अभी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। सब इंस्पेक्टर मोना जादौन के मुताबिक भोपाल टॉकीज के पास रहने वाली 23 वर्षीय युवती केयर टेकिंग का काम करती है। दो साल पहले उसकी मुलाकात अशिमा मॉल के पब में काम करने वाले बाउंसर आदित्य कश्यप से हुई थी। पहले दोनों के बीच फोन पर बातचीत हुई और मामला प्रेम प्रसंग तक पहुंच गया।

दो साल पहले पहली बार बनाए संबंध

1 जून 2023 को आरोपी युवक पीड़िता को लेकर राधिका पैलेस होटल पहुंचा, जहां उसने शादी करने का झांसा देकर उसकी अस्मत लूटी। उसके बाद से वह लगातार पीड़िता का शोषण कर रहा था। अभी कुछ दिन पहले उसने पीड़िता से शादी करने से इनकार कर दिया। उसकी करतूतों से परेशान होकर गुरुवार को थाने पहुंची पीड़िता ने केस दर्ज कराया।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस अब आरोपी युवक की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बेंगलुरु शहर में बनेगा नया बिजनेस कॉरिडोर

शहर में जाम का होगा काम तमाम, नया है प्रोजेक्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश का बड़ा औद्योगिक शहर बेंगलुरु किलोमीटरों तक लगने वाले जाम के चलते चर्चा में रहा है। शहर का जनजीवन भी इस जाम की समस्या से प्रभावित हुआ है और अब इससे निपटने के लिए बेंगलुरु बिजनेस कॉरिडोर बनाने की तैयारी है। इस 117 किलोमीटर के कॉरिडोर से टेक सिटी को जाम मुक्त करने का प्लान है। यह दिल्ली के रिंग रोड जैसा होगा, जो पूरे बेंगलुरु को बाहर से होते हुए ही कनेक्ट करेगा। कर्नाटक कैबिनेट की ओर से इसकी मंजूरी मिल गई है। इस प्रोजेक्ट को बेंगलुरु डिवेलपमेंट अथॉरिटी की ओर से पूरा किया जाएगा और इसकी टाइमलाइन दो साल की रखी गई है।

तमिलनाडु सरकार को झटका

'सुप्रीम' आदेश, राष्ट्रपति के फैसले का इंतजार करें

- राज्यपाल से विवाद पर सीजेआई की पीठ ने रोका निर्णय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि वह राज्यपाल आर एन रवि द्वारा तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी देने के बजाय उसे राष्ट्रपति के पास भेजने के उनके फैसले को चुनौती देने वाली उसकी याचिका पर निर्णय के लिए राष्ट्रपति के संदर्भ पर आने वाले फैसले का इंतजार करे। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी आर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर संविधान पीठ के फैसले के बाद मामले की सुनवाई की जाएगी। पीठ ने कहा, आपको राष्ट्रपति के संदर्भ के नतीजे का इंतजार करना होगा। आपको मुश्किल से चार सप्ताह इंतजार करना होगा। संदर्भ पर 21 नवंबर (सीजेआई गवई की सेवानिवृत्ति) से पहले निर्णय लिया जाना है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति संदर्भ पर 11 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हिजाब विवाद के बाद दूसरे स्कूल में दाखिला लेगी छात्रा

केरल में मचा हुआ है कोहराम, प्रिंसिपल ने रखी एक शर्त

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कोच्चि में चर्च की ओर से चलाए जाने वाले स्कूल में हिजाब पहनने पर विवाद गहरा गया है। छात्रा के माता-पिता ने अपनी बेटी के तनाव में होने का हवाला देते हुए उसका दाखिला किसी अन्य संस्थान में कराने का फैसला किया है, जबकि स्कूल ने कहा कि अगर लड़की नियमों का पालन करती है तो वह पढ़ाई जारी रख सकती है। सेंट रीटा पब्लिक स्कूल की 8वीं कक्षा की छात्रा के पिता ने शुक्रवार को बताया कि उनकी बेटी उस स्कूल में वापस नहीं जाएगी। इस बीच, छात्रा का समर्थन कर रहे केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने इसे आश्चर्यजनक और विडंबनापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षिका ने छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जबकि वह खुद स्कार्फ पहने हुए थीं।

आरटीओ ने 6 वाहनों से वसूले 42 हजार

इंदौर। दीपावली पर्व पर सुरक्षित सफर की मंशा के चलते आरटीओ ने बसों का सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसके अंतर्गत इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकाल में सुगम निकास व्यवस्था की जांच करते हुए दो बसों के फिटनेस निरस्त किए। इसी कड़ी में गुरुवार को जिला प्रशासन, आरटीओ, ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन इमली चौराहा, रिंग रोड, बायपास पर इंटरसिटी, इंटरस्टेट बसों की सघन चेकिंग की। बसों में बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने, मोटरयान अधिनियम के मानकों का उल्लंघन होना भी पाया गया। कार्रवाई के दौरान 6 वाहनों से 42 हजार रुपए से अधिक का जुमार्ना वसूला गया। साथ ही बस संचालकों को हिदायत दी गई कि वे बसों को मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत मानकों के अनुसार ही संचालित करें। कार्रवाई में जूनी इंदौर एसडीएम प्रदीप सोनी, आरटीओ प्रदीप शर्मा, एसीपी हिन्दू सिंह मुवेल एवं संयुक्त अमला उपस्थित रहा।

साइकल शोरूम में युवती से छेड़छाड़

इंदौर। सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र में साइकिल शोरूम पर अकाउंटस का काम करने वाली युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया। पीड़िता ने शोरूम के ही दो कर्मचारियों पर अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया है। युवती ने बताया कि आरोपी अमजद और शुभम काम के दौरान उसके साथ अश्लील इशारे और कमेंट्स करते थे। जब उसने विरोध किया तो दोनों ने उसे धमकाया। इसी शोरूम के कर्मचारियों अमजद और शुभम के खिलाफ एक अन्य मामला भी दर्ज हुआ। वीर सावरकर नगर निवासी हनी इशरानी और उनके पिता अमरलाल इशरानी ने मारपीट का आरोप लगाया। शोरूम बंद होने के बाद जब हनी और उनके पिता घर जा रहे थे, तभी दोनों वहां पहुंचे और विवाद करने लगे। बात बढ़ने पर उन्होंने धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट कर दी।

नाबालिग से छेड़छाड़ और मारपीट

इंदौर। हीरानगर पुलिस ने नाबालिग के साथ छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में आरोपी श्रीराम उर्फ लक्की चौहान पर एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता ने बताया कि वह उसी मकान में अपने परिवार के साथ रहती है, जहां आरोपी भी वहां किराएदार है। बुधवार को जब उसके माता-पिता घर पर नहीं थे, तब आरोपी ने बहाना बनाकर उसे कमरे में बुलाया और कहा कि उसका बच्चा पत्नी को परेशान कर रहा है और घर का काम नहीं करने दे रहा, इसलिए मदद कर दे। पीड़िता जब कमरे में पहुंची तो वहां आरोपी की पत्नी मौजूद नहीं थी। इसी दौरान श्रीराम ने कमरे का दरवाजा बंद कर दिया और गलत तरीके से पीड़िता को छूने लगा। आरोपी की हरकतों से घबराई पीड़िता दरवाजा खोलकर भागकर अपने घर पहुंची।

सफेद मार्किंग के अंदर ही लगेंगी दुकानें

इंदौर। त्योहारों के दौरान राजवाड़ा इलाके में दुकानों के बाहर सफेद रंग की मार्किंग की गई। इस मार्किंग के अंदर ही दुकानदारों, स्ट्रीट वेंडर्स को अपनी दुकान लगाने की अनुमति रहेगी। इसके साथ ही पार्किंग के बोर्ड भी लगाए गए, ताकि लोग पार्किंग में ही अपनी गाड़ी खड़ी करें। राजवाड़ा पर लगने वाली दुकानों के चलते बड़ी संख्या में लोग यहां खरीदारी करने पहुंचते है, जिसके चलते यहां ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाता है। इसे देखते हुए बुधवार से ही ट्रैफिक पुलिस ने कार,ई-रिक्शा, ऑटो और सिटी बस की एंट्री पर दोपहर 12 से रात 12 बजे तक बंद कर दी है। राजवाड़ा इलाके में त्योहारों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। कई दुकानें यहां लगती हैं और दूर-दूर से लोग खरीदारी करने आते हैं। इसके चलते यहां जाम और बेतरतीब ट्रैफिक के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसे लेकर पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार किया है।

दिवाली पर विहिप-बजरंग दल की मुहिम

इंदौर। त्योहार को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के तहत संगठन के कार्यकर्ताओं ने शहर के प्रमुख मॉल और बाजारों में पोस्टर लगाए हैं। इन पोस्टरों पर लिखा है 'हिंदू त्योहार, हिंदू से व्यवहार और हिंदू से व्यापार।' संगठन से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि इस मुहिम का उद्देश्य लोगों को स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देना और त्योहार के अवसर पर हिंदू समाज को एकजुट करना है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि दीपावली पर बाजारों में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करते हैं,ऐसे में वे चाहते हैं कि समाज अपने ही समुदाय के व्यापारियों को प्राथमिकता दे।

बायपास से अवैध डंपर-ट्रक हटाए गए

इंदौर। बायपास मुंडला नायता सर्विस रोड पर प्रशासन ने अवैध रूप से खड़े डंपर, ट्रक और स्क्रैप वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है। लंबे समय से आसपास के रहवासी और स्कूल के बच्चे इन वाहनों की वजह से परेशान थे और कई बार कलेक्ट्रेट में शिकायत दर्ज कराई गई थीं। आज प्रशासन ने सभी अवैध वाहनों को हटाने के साथ ही पास में विकसित हो रहे अवैध मैकेनिक नगर को भी खाली कराने का काम शुरू किया। इस इलाके में कई अवैध ढाबे और गैरेज संचालित हो रहे थे, जिनमें आपराधिक गतिविधियों की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई,ताकि सड़क और आसपास का वातावरण सुरक्षित और व्यवस्थित बन सके। प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से भी सहयोग की अपील की है।

सड़क पर नीलगाय से हड़कंप मचा

इंदौर। विजय नगर क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सयाजी होटल के सामने सड़क पर अचानक एक नीलगाय आ गई। कुछ देर तक नीलगाय सड़क पर इधर-उधर दौड़ती रही,जिससे वाहन चालकों और राहगीरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई लोगों ने नीलगाय को देखकर अपने वाहन रोक दिए, जिससे ट्रैफिक भी कुछ समय के लिए बाधित हो गया। सूचना मिलते ही नगर निगम की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और नीलगाय को सुरक्षित तरीके से पकड़कर चिड़ियाघर पहुंचाया गया। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि शहर में वन्य प्राणियों के आने का मुख्य कारण लगातार हो रही जंगलों की कटाई और प्राकृतिक आवासों का खत्म होना है। पहले भी कई बार हिरण और सियार जैसे जानवर शहरी इलाकों में देखे जा चुके हैं। निगम टीम ने लोगों से अपील की है कि ऐसी स्थिति में जानवरों को डराने के बजाय तुरंत सूचना दें ताकि उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके।

वसूली 25 हजार की, रसीद में 10, 15 का हिसाब

इंदौर। दशहरा मैदान पर इस बार करीब 120 अस्थाई पटाखा दुकानें लग रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि प्रति दुकान 25 हजार रुपए वसूले जा रहे हैं। जबकि, रसीद में केवल 10 हजार रुपए शेड ठोकने और 15 हजार रुपए टेंट की कोठी व दो तखत के लिए दिखाए जा रहे हैं। कुल राशि तो 25 हजार है, पर रसीद में सिर्फ़ 10 और 15 हजार का ही हिसाब है। प्रत्येक दुकान आठ बाय आठ फुट की लोहे की चद्दरों से बनाई जा रही है। इसमें एक सिलिंग, दो परदे, दो गादी, दो रजाई, दो टेबल और एक कोठी की व्यवस्था की गई है। पांच दिन की दुकान के लिए इतनी भारी राशि पटाखा व्यापारियों को अखर रही है। 120 दुकानों के हिसाब से लाखों रुपये की वसूली हो रही है। बताया जा रहा है कि नगर निगम का कचरा शुल्क भी यही लोग वसूल रहे हैं। पिछले साल भी इस तरह की वसूली पर सवाल उठे थे। इस बार एसडीएम राऊ की टीम भी सक्रिय है और समय-समय पर पटाखा व्यापारियों से जानकारी लेकर स्थिति पर नज़र बनाए हुए है।

किन्नरों के फिनाइल पीने का कारण दो गुटों में प्रॉपर्टी का विवाद, ब्लैकमेलिंग और पैसा

तीन महीने पुराने दो गुटों के विवाद में कई चौंकाने वाले खुलासे किए गए

इंदौर। नंदलालपुरा में बुधवार को 24 किन्नरों ने एक साथ जहरीला पदार्थ (फिनाइल) पी लिया था। इसके पीछे किन्नरों के दो गुटों के बीच करीब 150 करोड़ की प्रॉपर्टी, नेग का पैसा और ब्लैकमेलिंग बताया जा रहा। ये विवाद करीब तीन महीने से चल रहा है। इसके साथ ही दो कथित पत्रकारों पर किन्नरों के साथ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी के गंभीर आरोप लगाने का मामला भी जुड़ गया। कुछ महीनों से संपत्ति को लेकर पायल गुरु और सीमा गुरु के बीच विवाद चल रहा था। एक गुट का आरोप है कि सपना गुरु और उसके तीन साथियों ने समुदाय के एक सम्मेलन के लिए एकत्रित धरोहर राशि लौटाने से इनकार कर दिया था। उनके साथ मारपीट करते हुए उन्हें जान से मार डालने की धमकी भी दी। इस विवाद के चलते दोनों के गुटों के बीच कई बार झगड़े भी हुए। ये मामले पुलिस तक पहुंचा था और इसे लेकर विशेष जांच दल (एसआईटी) भी बनाई गई थी। लेकिन, एसआईटी प्रभारी अफसर का ट्रांसफर होते ही एसआईटी भी चुप बैठ गई।

बताया गया कि किन्नर समाज के दो गुटों में विवाद हुआ था, जिसके बाद दो पत्रकारों का इनके घर में आना जाना बढ़ने लगा। दोनों किन्नरों को

ब्लैकमेल करते थे। इन्होंने एक किन्नर के साथ दुष्कर्म भी किया। किन्नरों ने इंसाफ की मांग करते हुए कहा कि आज किन्नर भी सुरक्षित नहीं है। अक्षय और पंकज ने अपराध किया है, उन्हें सजा मिले। इन्होंने किन्नर से डेढ़ लाख भी लिए हैं। किन्नरों के दो गुटों में विवाद और झगड़े की घटना दोनों गुटों में धरोहर राशि के बंटवारे को लेकर हुई। एक गुट के 24 किन्नरों ने प्रताड़ना का आरोप लगाकर जहरीला पदार्थ पी लिया। इंदौर में बुधवार रात हुई इस घटना के बाद सभी को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया। नंदलालपुरा, जवाहर मार्ग और अस्पताल में हंगामा चला। एमवाय में किन्नरों को लाया गया तो साथी जमा हो गए। हंगामा किया। पुलिस के मुताबिक कुछ किन्नरों ने पेट्रोल डाल खुद को जलाने का प्रयास भी किया। इधर, जहरीला पदार्थ पीने वाले किन्नरों का इलाज जारी है। मेडिसिन विभाग के डॉ अशोक ठाकुर के मुताबिक सभी की हालत ठीक है। पीड़ित किन्नर गुट के गुरु की शिकायत पर पंढरीनाथ पुलिस ने देर रात एक और एफआईआर दूसरे गुट की किन्नर सपना गुरु समेत तीन पर दर्ज की। गुरुवार सुबह सपना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। गुटों में दो कथित पत्रकारों के नाम भी सामने आए हैं। जोन-4 एडिशनल डीसीपी दीशेष अग्रवाल के अनुसार सोना, मंगला, गौरी, नंद गिरी महामंडलेश्वर की शिकायत पर सपना हाजी (सपना गुरु), राजा हाशमी और कथित पत्रकार अक्षय कुमायू और पंकज जैन के खिलाफ बीएनएस की धारा 119 (1) और 308 (4) में केस दर्ज किया। फरियादी सोना मंगला ने बताया, उनके चेलों ने सपना, राजा, अक्षय, पंकज के कारण परेशान होकर फिनाइल पीने का कदम उठाया। कुछ समय पहले से कुछ रकम मांगी तो सपना, राजा ने उल्टा हमको थप्पड़ मारा। कहने लगी, तुम रकम दो। मारने की धमकी दी। प्रताड़ित करने लगीं। इस डर से साथी किन्नरों ने आत्मघाती कदम उठाया। गुरुवार को कुछ वकीलों ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर एक गुट द्वारा धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। इस गुट पर खतरनाक बीमारी के इंजेक्शन लगाने का भी आरोप है।

> **कथित पत्रकारों पर शोषण का केस**
>
> 30 मई 2025 मंगलवार रात थाने पर पीड़िता किन्नर ने गुरुओं के खिलाफ थाने पर केस दर्ज किया था। इसके चलते आरोपी कथित पत्रकार पंकज जैन व अक्षय हमारे पास आने लगे। 12 जून को पंकज ने कहा कि अगर तुमने गलत काम (दुष्कर्म) नहीं करने दिया तो तुम्हारे गुरुओं का नाम बदनाम कर देंगे, उनका एनकाउंटर हो जाएगा। पंकज ने शारीरिक संबंध बनाने दबाव बनाया, मारपीट की और मारने की धमकी दी।

'नो एंट्री' में हुई चार मौतों में एसीपी टीआई सहित 7 पुलिसकर्मी दोषी

एडीसीपी ने प्राथमिक जांच रिपोर्ट पुलिस आयुक्त को सौंपी

इंदौर। एक महीने पहले एरोड्रम और मल्हारगंज थाना क्षेत्र में नो एंट्री में हुई सड़क दुर्घटना में एसीपी-टीआई सहित सात पुलिसकर्मी दोषी पाए गए। इस घटना की जोन-4 के एडीसीपी दीशेष अग्रवाल ने प्राथमिक जांच कर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह को सौंप दी। एडीसीपी की रिपोर्ट के आधार पर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिसकर्मियों की लापरवाही के कारण पेपर और गत्ते से भरा ट्रक (एमपी 09 जेडपी 4069) 'नो एंट्री' में घुसा था। शराब पीकर ट्रक चला रहे चालक गुलशेर ने एरोड्रम रोड पर 20 लोगों को टक्कर मारी जिसमें कैलाश चंद्र जोशी, लक्ष्मीनारायण सोनी, महेश, संदीप बिजवा की मौत हुई थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना को गंभीरता को देखते हुए डीसीपी (ट्रेफिक) अरविंद तिवारी को तत्काल मुख्यालय अटैच किया गया था। इसके अलावा एसीपी सुदेश सिंह सहित टीआई अर्जुन सिंह पंवार, दीपक यादव, सूबेदार चंद्रेश मरावी, एसआई प्रेमसिंह और सिपाही विजय चौहान, राहुल राजावत और देवेंद्र को निलंबित कर दिया गया था। घटना की जांच पुलिस आयुक्त ने जोन-4 के एडिशनल

डीसीपी दीशेष अग्रवाल को सौंपी थी। गुरुवार को एडीसीपी ने प्रारंभिक रिपोर्ट अफसरों को प्रस्तुत कर बताया सभी पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी घटना हुई। एसीपी से लेकर टीआई को रिपोर्ट में दोषी बताया गया। एसीपी सुदेश सिंह- भ्रमण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को गायब देखा मगर उनकी गैर हाजिरी नहीं लगाई। उनके बदले में दूसरा बल नहीं मांगा गया। एसीपी वायरलेस सेट से कंट्रोल रुम को सूचित कर रवाना हो गए। टीआई अर्जुन सिंह पंवार ने नो एंट्री के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया। भ्रमण कर पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर नहीं भेजा। टीआई दीपक यादव- जोन-1 के प्रभारी बनाए गए थे। बल की उपस्थिति सुनिश्चित करना थी। नो एंट्री पाइंट पर ध्यान नहीं दे रहे थे। सूबेदार चंद्रेश मरावी सात बजे ड्यूटी पाइंट पर पहुंच जाना था। नो एंट्री मार्ग में ट्रक को प्रवेश करने से रोकना था। एडीसीपी ने करीब एक महीने तक जांच की।

एरोड्रम थाना में ट्रक चालक के विरुद्ध दर्ज एफआईआर से शुरुआत की। पीड़ितों के साथ लापरवाह पुलिसकर्मियों के कथन लिए गए। एडीसीपी ने उनके फोन की लोकेशन और एयरपोर्ट से लेकर बड़ा गणपति चौराहा तक के सीसीटीवी फुटेज निकाले और इस आधार पर अपनी जांच रिपोर्ट तैयार की।

गोली मारने वाले पुलिस कॉन्स्टेबल को 7 साल जेल, 6 हजार जुर्माना

मेस कमांडर से खाना कम देने की बात पर विवाद किया

इंदौर। पुलिस आरक्षक को सेशन कोर्ट ने सात साल कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपी पर छह हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया

है। यह मामला टिफिन में खाना कम देने की बात का है। इस पर आरक्षक ने गोली मारकर हत्या का प्रयास किया था। प्रभारी उप निदेशक अभियोजन राजेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोपी आरक्षक का नाम राहुल कुमार यदुवंशी निवासी जिला नर्मदापुर है। फरियादी आरक्षक राजकुमार यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह मेस कमांडर प्रधान आरक्षक जगन्नाथ और एक अन्य आरक्षक विभिन्न पोस्टों पर खाना बांटने के तहत जिला गार्ड (जिला जेल) गए थे। वहां पदस्थ आरक्षक राहुल यदुवंशी खाना कम देने की बात को लेकर मेस कमांडर जगन्नाथ से विवाद करते हुए उनसे झूमाझटकी की। वे उसे समझाइश देकर वहां से निकल गए। जब वे लोग रेसीडेंसी एरिया में तैनात आरक्षकों को खाना देने पहुंचे तो आरक्षक राहुल भी अपनी मोटर साइकिल से वहां पहुंच गया और दोबारा विवाद किया। विवाद के दौरान राहुल ने सरकारी पिस्टल निकाली और जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पहली गोली हवाई फायर हो गई, जबकि दूसरी गोली फरियादी की दाहिने कांख के नीचे लगी। आसपास के लोगों ने फरियादी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। संयोगितागंज पुलिस ने गोली चलाने वाले आरक्षक राहुल कुमार यदुवंशी के खिलाफ धारा 307, 294 भादसं के तहत प्रकरण दर्ज कर चालान प्रस्तुत किया था। उस मामले पर यह सजा सुनाई गई।

दीपावली पर रहेगी पुलिस की चाक-चौबंद सुरक्षा

शहरवासियों की सुरक्षा को लेकर किए खास इंतजाम

इंदौर। दीपावली पर पुलिस लोगों की सुरक्षा को लेकर राजबाड़ा और अन्य बाजार क्षेत्रों में चाक चौबंद इंतजाम करेगी। इस दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति बनने, अपराध होन पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने पुलिस अधिकारियों को बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान शहर में शांति, सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल को पूरी मुस्तैदी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। प्रमुख बाजारों में पर्याप्त तैनाती रहेगी। यातायात और पार्किंग की व्यवस्था सुचारू रूप से कराई जाए, जिससे आमजन को कोई असुविधा न हो। पटाखा बाजारों का निरीक्षण कर दुकानदारों को सुरक्षा मानकों के पालन हेतु पाबंद किया जाए। सभी दुकानों पर फायर सेफ्टी जैसे फायर एक्सटिंग्विशर, रेत, पानी की बाल्टियां/ड्रम और टैंकर आदि की अनिवार्य व्यवस्था हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी अवैध रूप से पटाखों का भंडारण विशेषकर रहवासी क्षेत्रों में तो नहीं किया गया है। यदि ऐसा पाया जाए तो सख्त कार्रवाई की जाए। बेहतर समन्वय के लिए नगर निगम, विद्युत विभाग, चिकित्सा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के साथ निरंतर संपर्क और सहयोग बनाए रखा जाए। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन के माध्यम से बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नजर रखी जाएगी ताकि हर गतिविधि पर निगरानी बनी रहे। उन्होंने आश्वासन दिया कि दीपावली के दौरान शहरभर में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा, जो सभी संसाधनों से लैस होकर, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ अपनी ड्यूटी निभाएगा। किसी भी आपात स्थिति या अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है।

रिटायर्ड आबकारी अधिकारी बनवा रहा था 10 करोड़ का बंगला, लोकायुक्त का खुलासा

इंटीरियर पर ही खर्च होने हैं 4 करोड़, भदौरिया को महंगी गाड़ियों का शौक

इंदौर। लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बुधवार को रिटायर्ड जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के फ्लैट, ऑफिस समेत 8 ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आईं। खास बात तो यह है कि भदौरिया इंदौर में 10 करोड़ रुपए का आलीशान बंगला बनवा रहा है। बताया गया कि इस बंगले के इंटीरियर के लिए उसने चीन से विदेशी सामान मंगवाने की प्लानिंग की थी। इंटीरियर में ही 4 करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी थी। मालवा काउंटी टाउनशिप में स्थित प्लॉट नंबर सी-35 पर भदौरिया का आलीशान मकान इंदौर की आर्किटेक्ट कंपनी 'द डिजाइन चैरेट' तैयार कर रही है। इस कंपनी में धर्मेंद्र की बेटी अपूर्वा सिंह पार्टनर है। बंगला इटैलियन डिजाइन में तैयार हो रहा है। इसमें 2 से 3 हॉल बनेंगे। मुख्य हॉल में 22 लाख रुपए से ज्यादा कीमत का झूमर लगाया जाना है। 50 लाख रुपए का होम थिएटर की भी प्लानिंग है। बंगले में फिल्मों की तरह सीढ़ियां डिजाइन की जा रही है। वहीं उसमें 4 बेडरूम होंगे। हर कमरे में बालकनी हैं। बैक साइड में गार्डन रहेगा, जिसमें लग्जरी फाउंटेन होगा।

चीन से आएगा सामान – भदौरिया के इस बंगले के लिए 1.5 करोड़ रुपए का फर्नीचर चीन से इम्पोर्ट होगा। जिस प्लाट परन बंगले को तैयार किया जा रहा है, उसकी कीमत ही कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार 3 करोड़ 36 लाख 73 हजार रुपए है। मार्केट वैल्यू के हिसाब से प्लॉट की कीमत 6 करोड़ रुपए है। इसमें कंस्ट्रक्शन कॉस्ट और इंटीरियर कॉस्ट अलग है। भदौरिया महंगी गाड़ियों का भी शौक रखता है। उसके यहां से वॉल्वो, फॉर्च्यूनर, दो इनोवा सहित चार लग्जरी बाइक मिली। भदौरिया ने अपनी अधिकांश गाड़ियों का नंबर 0045 लिया है।

पेटी कॉन्ट्रेक्ट के जरिए हिस्सेदारी- बताया गया कि धर्मेंद्र सिंह ने अलीराजपुर का ठेका लेने वाले रिंकू भाटिया के साथ पेटी कॉन्ट्रेक्ट के जरिए हिस्सेदारी की थी। उसने जिले का पूरा शराब का धंधा ही पर्दे के पीछे से कब्जे में ले लिया था। भदौरिया ऐसा अधिकारी है, जो सरकारी नौकरी के पैरेलल गुजरात की अवैध शराब लाइन को भी चलाने वाले के साथ काम करता रहा है। इसी के चलते उसने अकूत दौलत कमाई।

बैंक लॉकर खंगाले गए – धर्मेन्द्रसिंह भदौरिया के तीन बैंक खातों को गुरुवार को लोकायुक्त ने खंगाला। खातों ने खूब नोट उगले। उनके और परिवार के खातों में कुल 1 करोड़ 26 लाख 31 हजार 013 रुपए जमा हैं। बीमा और अन्य पॉलिसी भी कुल 21 करोड़ के लगभग पाई हैं जिनमें 13 लाख 90 हजार 648 रुपए किश्त भरी जाना है। भदौरिया की पत्नी के नाम बैंक ऑफ़ बड़ौदा और अन्य बैंकों में 4 लॉकर पाए गए। इन लॉकरों को अब खोला जाएगा। इसके बाद लोकायुक्त ने अधिकारी के बैंक खातों को और लॉकर को फ्रीज करा दिया, जो आरोपी की उपस्थिति में खोले जाएंगे।

नौकरानी को एडवांस नहीं दिया तो उसने नाबालिगों के साथ चोरी की

पुलिस ने 12 लाख की चोरी पकड़ी, पांच आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। घरेलू नौकरानी को उधार पैसे नहीं दिए तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने मालिक के घर में नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दो महिलाएं, दो नाबालिग और युवक को गिरफ्तार किया है। कनाड़िया पुलिस को फरियादी रश्मि पति गौरव जुनैजा निवासी सर्वसम्पन्न नगर ने शिकायत दर्ज की थी कि मैं 9 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे महालक्ष्मी नगर स्थित अपने पति के होटल गई थी। वहां से रात करीब 11 बजे अपने पति के साथ होटल से घर आई तो मेरे कमरे का सामान और अलमारी का लॉक टूटा हुआ था। अज्ञात चोर वहां से जेवर और नकदी ले गए थे। मामले में पुलिस ने आरोपियों पर धारा 305 (ए). 331 (3) का केस दर्ज किया है। मामले में आरोपियों को पकड़ने टीआई सहर्ष यादव के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास गलियों के सीसीटीवी फुटेज चेक कर संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद गौतम चौहान निवासी सिंगापुर टाउनशिप लसूडिया (ऑटो ड्राइवर), दिव्या बामने निवासी मालवीय नगर, रानी मीणा निवासी सिंगापुर टाउनशिप लसूडिया तथा दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बताया कि आरोपी और फरियादी एक-दूसरे को पहले से जानते थे। आरोपी दिव्या ने कुछ दिन पहले फरियादी से उधार पैसे मांगे थे। इस पर फरियादी ने मना कर दिया। इससे नाराज होकर आरोपी दिव्या और उसकी सहेली रानी ने चोरी की योजना बनाई। दोनों घटना वाली सुबह फरियादी के घर आए। वहां घर के मेन दरवाजे का सेंटर लॉक में पत्थर फंसाया, जिससे वह खराब हो गया। इसके बाद दोनों वहां से चले गए। ताला खराब होने से फरियादी सेंटर लॉक नहीं लगा पाई। इसी का फायदा उठाकर आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने सोने के सुई धागा, मंगलसूत्र, सोने की अंगूठी, पेंडल, सोने की चेन, सोने की बाली, चांदी के सिक्के, चांदी की चेन, कड़ा, चांदी की कमरबंद, पायल, चांदी का लोटा, चांदी की थाली, चांदी के गिलास, चांदी की कटोरी, चांदी की चम्मच, चांदी की हाय, पायल, बिछिया, चांदी की अंगूठी, नगदी 5100 चुराया और आटो रिक्शा में बैठकर भाग निकले।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं भारत पिता रमेशचंद्र प्रजापिता निवासी ग्राम रंगवासा राऊ जिला इंदौर,आयु 31 वर्ष ने शपथ पत्र क्रमांक-1 दिनांक 15/10/ 2025 के अनुसार अपना नाम भरत से भरत प्रजापति में बदल लिया है।अब सभी भविष्य के कार्यों के लिए भरत प्रजापति के नाम से जाना जाऊंगा।

भरत प्रजापति

संपादकीय

गुजरात-भाजपा ने फिर चौंकाया

भाजपा के अजेय गढ़ माने जाने वाले गुजरात राज्य में पार्टी ने वर्तमान भूपेन्द्र पटेल कैबिनेट में व्यापक फेरबदल कर देश को फिर चौंका दिया है। पहले सभी 16 मंत्रियों को इस्तीफे देने को कहा गया। उसके बाद नया मंत्रिमंडल 26 सदस्यीय बना, जो अधिकतम है। नए मंत्रिमंडल में पुराने 6 चेहरे ही अपना पद बचा पाए हैं। खास बात यह है कि गुजरात में भाजपा ने महज 3 साल में सीएम भूपेंद्र पटेल के अलावा लगभग पूरी सरकार बदल डाली। पार्टी ने गुरुवार को 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया और शुक्रवार को 26 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। नई कैबिनेट में 19 नए चेहरे हैं। जातिगत समीकरण के हिसाब से देखे तो भूपेन्द्र पटेल के नए मंत्रिमंडल में 8 ओबीसी, 3 एससी, 4 एसटी और 3 महिला मंत्री हैं। कैबिनेट में सीएम सहित 8 मंत्री पटेल समाज से हैं। इसका अर्थ यह है कि भाजपा ने पटेल समाज को ज्यादा महत्व दिया है। इसका एक बड़ा कारण इस समाज में भाजपा की गहरी पैठ भी है। जबकि हटाए गए मंत्रियों पर न तो कोई आरोप था और न कोई कानूनी केस। इसके बावजूद सरकार में बड़े फेरबदल को गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। जो मंत्री हटाए गए हैं, उसके पीछे कारण उनका कमजोर परफार्मेंस माना जा रहा है। इससे जनता में गलत संदेश जा रहा था। माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व उनकी जगह नए चेहरे लाकर सरकार का कामकाज बेहतर करना चाहती थी। यूं गुजरात में विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं, लेकिन राज्य में अगले कुछ माह में स्थानीय निकायों के चुनाव होने हैं। इन्हें जीतना भाजपा के लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती है, क्योंकि स्थानीय स्तर पर नेताओं की नापसंदगी के कई वाकये हो चुके हैं। भाजपा ऐसा कोई संदेश देना नहीं चाहती, जिससे लगे कि गुजरात में उसकी पकड़ ढीली हो रही है। लिहाजा पार्टी ने इन चुनावों की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। इसके अलावा पिछले माह बिसावदर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की हार के बाद भाजपा ने नए चेहरों को मौका देने को प्राथमिकता दी है। यह सीट आप के गोपाल इटालिया ने जीत ली थी। गौरतलब है कि गुजरात विधानसभा में 182 सीटें हैं। नियमानुसार वहां मुख्यमंत्री समेत 26 मंत्री बनाए जा सकते हैं। इससे ज्यादा नेताओं को सरकार में शामिल किया जा सकता है। फेरबदल का एक महत्वपूर्ण संकेत युवा नेता हर्ष संघवी को भूपेन्द्र कैबिनेट में उप मुख्यमंत्री बनाया जाना है। इसके पहले वो राज्य के गृह मंत्री थे। यानी यह हर्ष की पदोन्नति है। माना जा रहा है कि हर्ष संघवी को पार्टी भावी मुख्यमंत्री के रूप में अगले चुनाव में प्रोजेक्ट कर सकती है। शुक्रवार को सबसे पहले हर्ष संघवी ने शपथ ली। इसी तरह क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को भी मंत्री बनाया गया है। भूपेन्द्र पटेल की पूर्व कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे। सीएम पटेल का यह तीसरा मंत्रिमंडल है। वैसे खुद भूपेन्द्र पटेल भी विजय रूपाणी को हटाकर अचानक मुख्यमंत्री बने थे। जाहिर है भाजपा गुजरात में किसी भी हद तक जाकर और कितना भी बड़ा राजनीतिक जोखिम गुजरात में उठा सकती है, यह ताजा फेरबदल से स्पष्ट है। इसे इस रूप में भी देखा जा सकता है कि भाजपा हर वक्त चुनावी मोड में रहती है और भीतरखाने हर क्षण उसका राजनीतिक गुणा भाग निरंतर चलता रहता है। इस दृष्टि से गुजरात भाजपा की आजमाई हुई और अत्यंत सुरक्षित प्रयोगशाला है। उसकी यह राजनीतिक सतर्कता और दूरदर्शिता अन्य दलों के लिए भी उदाहरण है। खासकर उस कांग्रेस के लिए, जो अक्सर चुनाव के समय ही जागती है।

नजरिया

संजय सक्सेना

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बिहार में ओबीसी और अगड़ों-दलितों पर बड़ा दांव

एनडीए के सीट बंटवारे की शुरुआत इस बार 243 में से भाजपा और जदयू को 101-101 सीटें देकर हुई और बाकी सीटें सहयोगी दलों को दी गईं। सीटें तय करते वक्त एनडीए ने यह ध्यान रखा कि जदयू यानी नीतीश कुमार की पार्टी पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्गों में मजबूत है, जबकि भाजपा का प्रभाव सवर्ण, वैश्य, कुछ पिछड़ी जातियों एवं दलितों में पसंद किया जाता है। टिकट वितरण के समय भाजपा ने अपनी पहली सूची में 71 उम्मीदवार उतारे, जिसमें सवर्ण यानी राजपूत, भूमिहार, ब्राह्मण, कायस्थ जैसी पारंपरिक जातियों के 34 नेताओं को मौका दिया गया। ये वो जातियां हैं, जिनका बीजेपी के साथ वोट बैंक सबसे मजबूत माना जाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए ने सीटों का बंटवारा पूरी रणनीतिक सोच और जातीय गणित को ध्यान में रखते हुए किया। भाजपा और जदयू दोनों ने अपनी परंपरागत और मजबूत जातीय आधारों को साधने के लिए टिकट वितरण में खासा फोकस रखा। दोनों दलों की सूची से साफ है कि वे बिहार के वोट बैंक की विविधता को समेटने की कोशिश में हैं, ताकि किसी भी वर्ग या समुदाय की नाराजगी ना हो और विरोधी दलों की सामाजिक न्याय की राजनीति को चुनौती दी जा सके। इस चुनाव में दागी उम्मीदवारों की संख्या भी चर्चा का विषय रही है, जिसमें एनडीए के नाम कई गंभीर आरोपों वाले प्रत्याशी शामिल हैं।

एनडीए के सीट बंटवारे की शुरुआत इस बार 243 में से भाजपा और जदयू को 101-101 सीटें देकर हुई और बाकी सीटें सहयोगी दलों को दी गईं। सीटें तय करते वक्त एनडीए ने यह ध्यान रखा कि जदयू यानी नीतीश कुमार की पार्टी पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्गों में मजबूत है, जबकि भाजपा का प्रभाव सवर्ण, वैश्य, कुछ पिछड़ी जातियों एवं दलितों में पसंद किया जाता है। टिकट वितरण के समय भाजपा ने अपनी पहली सूची में 71 उम्मीदवार उतारे, जिसमें सवर्ण यानी राजपूत, भूमिहार, ब्राह्मण, कायस्थ जैसी पारंपरिक जातियों के 34 नेताओं को मौका दिया गया। ये वो जातियां हैं, जिनका बीजेपी के साथ वोट बैंक सबसे मजबूत माना जाता है।

इसके साथ ही भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधते हुए करीब 50 फीसदी टिकट ओबीसी, दलित, ईबीसी जैसी सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को दिए। पार्टी ने 9 महिला उम्मीदवारों को भी जगह दी, ताकि महिला मतदाताओं को साधा जा सके। मुस्लिम प्रत्याशी भाजपा ने एक भी नहीं उतारे। यह भी भाजपा की परंपरागत रणनीति का हिस्सा है, जहां वह हिंदू बहुल सीटों पर फोकस कर रही है। टिकट पाने वालों में दोनों डिप्टी सीएम, कई पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ विधायक शामिल हैं, वहीं कुछ पुराने दिग्गजों का टिकट काटकर नई पीढ़ी को मौका भी दिया गया।

जदयू ने भी जातीय समीकरणों को साधते हुए अपनी पहली सूची में 57 उम्मीदवार उतारे, जिसमें 22 पिछड़ा वर्ग और 10 अति पिछड़ा वर्ग के प्रत्याशी हैं। यानी कुल 56 फीसदी टिकट पिछड़ी और अत्यंत पिछड़ी जातियों को दिए गए। महादलित, दलित और मुस्लिम प्रत्याशी भी जदयू की प्राथमिकता में रहे, मगर जदयू की पहली सूची में मुस्लिम उम्मीदवार नहीं मिले जबकि दूसरी सूची में चार मुस्लिम प्रत्याशी उतारे गए हैं। अति पिछड़ा वर्ग की संख्या के लिहाज से यह फैसला बिहार के सामाजिक ताने-बाने पर सीधा असर डालता है, क्योंकि राज्य की आबादी में 36 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं जातियों का है। जदयू ने अपने पुराने मंत्रियों एवं विधायकों को दोबारा मौका दिया, जिससे इन वर्गों में पार्टी की पकड़ मजबूत बनी रहे। कुछ सीटों पर जदयू व लोजपा (चिराग पासवान) के बीच विवाद देखा गया, मगर जदयू ने अपने दावे वाली सीटों पर समझौता नहीं किया।

एनडीए की सूची दागी उम्मीदवारों के मसले पर भी सवालों की जद में रही है। चुनावी विश्लेषण और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार, अगर पूरे राज्य के उम्मीदवारों को देखें तो लगभग 32 प्रतिशत प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले हैं, जिनमें से करीब 25 फीसदी पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एनडीए के कई उम्मीदवारों की गिनती विवादित श्रेणी में होती है। एनडीए में जदयू के कई उम्मीदवार, जैसे चर्चित बाहुबली नेता अनंत सिंह, जिनके खिलाफ 28 आपराधिक मामले दर्ज हैं, टिकट पाने वालों की फेहरिस्त में शामिल हैं। इनके अलावा भाजपा और जदयू दोनों की सूचियों में करोड़पति प्रत्याशियों के साथ-साथ बड़े मुकदमों वाले 'बाहुबली' भी नजर आ रहे हैं।

महागठबंधन की तुलना में, एनडीए में दागियों की संख्या थोड़ी कम बताई जा रही है, लेकिन राज्य के चुनावी माहौल में ऐसे चेहरों को टिकट देने पर बहस जारी है। कई बार ऐसा देखा गया है कि जातीय और स्थानीय प्रभाव के कारण दलों को ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारना पड़ता है जिन्होंने भूतकाल में गंभीर आपराधिक मामले झेले हों, क्योंकि वे अपने इलाके में विकल्पहीन, मजबूत या लोकप्रिय माने जाते हैं। एनडीए के अंदर इस बार भी ऐसे नामों को शामिल किया गया है जो वोट बैंक को साधने के लिए जरूरी समझे गए हैं।

कुल मिलाकर बिहार चुनाव 2025 में एनडीए ने सीट बंटवारे व टिकट वितरण में जातीय संतुलन को ही अपनी जीत की कुंजी माना है। भाजपा ने सवर्णों, दलितों व ओबीसी पर, जदयू ने पिछड़ा और अति पिछड़ा समाज के नेताओं पर दांव लगाया है। दोनों ने अपने मजबूत क्षेत्रों के पुराने चेहरों को दोबारा मौका देते हुए नए वर्गों में भी संदेश देने का प्रयास किया। दागी उम्मीदवारों की मौजूदगी भी दिखाती है कि सिर्फ 'साफ-सुथरी राजनीति' का दावा करके बिहार जीतना फिलहाल नामुमकिन है। जातीय समीकरण और आपराधिक छवि वाले बाहुबली नेताओं के बलबूते ही पार्टियां चुनावी मजबूती हासिल करने की कोशिश करती रही हैं और यही समीकरण इस बार भी पूरी तरह हावी रहा।

पैरेंटिंग

एकता शर्मा

(पत्रकार और सामाजिक समीक्षक)

अमिताभ से शो में बदतमीजी, ये दोष किसका

इन दिनों एक बच्चा इशित भट्ट चर्चा में है। इस जूनियर कंटेस्टेंट ने टीवी शो 'केबीसी-17' में शो के होस्ट अमिताभ बच्चन से जिस अंदाज में बात की और सवालों के जवाब दिए, उसे बच्चों के बिगड़ते व्यवहार का संकेत माना जा रहा है। बच्चा प्रतिभाशाली है, इसमें दो-राय नहीं, पर उसका बातचीत का तरीका उसके संस्कार दर्शाता है। उसने ओवर कॉन्फिडेंस से चार सवालों के जवाब दिए और पांचवें सवाल का गलत जवाब देकर आउट हो गया। वास्तव में यह बच्चा समाज के लिए एक सबक है कि परिवार बच्चों को कैसे संस्कार दें। क्योंकि, यदि बच्चा गलती करता है, तो उसका दोषी उसके माता-पिता को ही माना जाता है।

बच्चों की आदतें और व्यवहार जीवन में बहुत ज्यादा मायने रखता है। दूसरों के सामने बच्चा किस तरह बात करता है, किस भाषा का उपयोग करता है और उसकी भाव भंगिमाएं कैसी रहती है, यह भी अहम बात है। जब कोई बच्चा अपनी समझदारी दिखाने में ओवर कॉन्फिडेंसी दर्शाता है, तो यह भी देखा जाता है कि वो कैसा व्यवहार करता है। यह मुद्दा इसलिए प्रसंग में आया कि टीवी शो 'केबीसी जूनियर' में एक बच्चे ने सवालों के जवाब देने में शो के होस्ट और प्रतिष्ठित कलाकार अमिताभ बच्चन के साथ बदतमीजी की। उसकी बातों को भले ओवर कॉन्फिडेंस नाम दिया जाए, पर उसकी गलतियों के दोष से उसके माता-पिता भी बच नहीं सकते।

बच्चों के ओवर कॉन्फिडेंस और बदतमीजी का संबंध अक्सर उनके परिवेश, पालन-पोषण और सोशल मीडिया के प्रभाव से जुड़ा होता है। 'कौन बनेगा करोड़पति' में जूनियर कंटेस्टेंट के व्यवहार पर मचे विवाद के बाद मनोवैज्ञानिकों ने इसे 'इन्फ्लूएंसर सिंड्रोम' या 'ओवर कॉन्फिडेंस सिंड्रोम' कहा। ओवर कॉन्फिडेंस के कारण सोशल मीडिया और रील संस्कृति के कारण कई बच्चे खुद को जल्दी 'परिपक्व' और 'लोकप्रिय' दिखाने की कोशिश करने लगते हैं। वे अपने रोल मॉडल्स की नकल करते हैं, कैमरे के सामने बोलने और दिखने के आदी हो जाते हैं, जिससे उनका लहजा और रवैया बदल जाता है।

माता-पिता का अनजाने में उनकी 'स्मार्टनेस' की तारीफ करना भी बच्चों के भीतर यह भ्रम पैदा कर देता है, कि वे हमेशा सही हैं। उनके व्यवहार को बदतमीजी में बदलने के संकेत यही है कि बच्चा बड़ों से कैजुअल या तंज भरे लहजे में बात करने लगे। दूसरों की बात काटे या अपनी राय को सबके ऊपर रखने की कोशिश करने लगे या फिर गलती मानने या सुधार स्वीकारने से इनकार करे। बच्चों में आत्मविश्वास जरूरी है, लेकिन बच्चों को यह भी सीखना चाहिए कि हर व्यक्ति का सम्मान करना भी अहम है।

यही वजह है कि अनुशासन और आजादी में संतुलन जरूरी है। सकारात्मक अनुशासन यानी प्यार के साथ सीमाएं तय करना बच्चों में आदर, संयम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। दरअसल बच्चे बड़ों को देखकर ही सीखते हैं। यदि माता-पिता बच्चों के सामने दूसरों से विनम्रता दिखाएंगे, तो बच्चा भी वही आचरण अपनाएगा। इसलिए, बच्चों में ओवर कॉन्फिडेंस को कम करने के बजाए उसे संतुलित आत्मविश्वास की दिशा में मोड़ना जरूरी है, ताकि आत्म-विश्वास और शिष्टाचार दोनों साथ-साथ बढ़ें। 'केबीसी जूनियर' का यह मामला इशित भट्ट से जुड़ा है जिसने रामायण से जुड़े पांचवे सवाल का जवाब अपने ओवर कॉन्फिडेंस से दिया जो गलत निकला और बिना कोई पैसे जीते उसे जाना पड़ा। कुछ ऐसा ही 'केबीसी-15' में एक बच्चे विराट अय्यर ने भी किया था। वह तो 1 करोड़ के सवाल तक पहुंच गया था। लेकिन, गलत जवाब देकर जीते हुए 50 लाख से गिरकर 3.20 लाख पर आ गया और 47 लाख रुपए गंवा दिए। अभी 5वीं कक्षा का इशित भट्ट सुर्खियों में हैं, जिसकी हर कोई आलोचना कर रहा है। उसका रवैया होस्ट के साथ अनुचित ही नहीं बदतमीजी ही कहा जाएगा। अपने ओवर कॉन्फिडेंस के कारण इशित ने वो चंद राशि भी गंवा दी और खाली हाथ घर लौटे।

यह बच्चा अमिताभ बच्चन के सामने बहुत ज्यादा कॉन्फिडेंट था। वह बिना ऑप्शन सुने ही सवालों के जवाब देता रहा। इशित भट्ट ने न सिर्फ इसी लहजे में जवाब दिए, बल्कि अमिताभ के साथ बातचीत में भी बदतमीजी की। जैसे 'मुझे नियम बताने मत बैठना, मुझे पहले से सब पता है।' वह बिना ऑप्शन सुने ही सारे सवालों का जवाब देता रहा। लेकिन, बाद में रामायण पर पूछे गए सवाल का जवाब नहीं दे पाया। सोशल मीडिया पर इशित भट्ट और उनके माता-पिता को ट्रोल किया जा रहा है। लोगों का यह भी कहना है, कि बच्चे को ये कैसी परवरिश दी। शो में इतने बच्चे और बड़े लोग आए और सभी ने अमिताभ बच्चन को सम्मान दिया है। शो में खुद अमिताभ भी संयम से हर बच्चे की बातों को सुनते हुए दिखाई दिए।

ब्यूटी पार्लर की कृपा से लक्ष्मीजी का मॉडर्न बनना

व्यंग्य

डॉ. प्रदीप शशांक

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दीपावली हेतु, लक्ष्मी जी अपने भारत भ्रमण कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में व्यस्त थीं। इस वर्ष भारत से उन्हें गरीब भक्तों के, कुछ ज्यादा ही आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। सभी की एक ही गुहार, हमारे घर पधारिये माँ, हम पर अपनी कृपा बरसाइये माँ। लक्ष्मी जी ने सोचा-'तथाकथित अमीर तो मेरी जुड़वा बहन काली लक्ष्मी को ही ज्यादा पसंद करते हैं। तथा उसको पाने हेतु हर प्रकार के गलत कार्य करने को तत्पर रहते हैं।' मुझे तो अपनी इस बहन से बेहद नफरत है। इसकी याद आते ही मेरा मन खिन्न हो जाता है। खैर, मुझे क्या लेना देना। लक्ष्मी जी ने उनमें से कुछ आवेदन पत्र अपने सेक्रेटरी उलूक को सौंप दिए, ताकि दीपावली की रात्रि भारत भ्रमण के दौरान उनमे से किसी एक भक्त पर उसकी स्थिति अनुरूप विशेष कृपा की जा सके।

लक्ष्मी जी कार्य निपटाकर जैसे ही अपने कार्यालय से बाहर निकली वैसे ही सामने से स्वर्ग की अप्सरा मेनका इठलाती बलखाती उनके ऊपर एक उचटती सी गर्व मिश्रित दृष्टि डालकर समीप से निकल गई। लक्ष्मी जी उसके रूप सौन्दर्य को बस देखती रह गई, उसके बाब कट बाल, चेहरे पर मेकअप की भरपूर चमक, शरीर पर किसी विशेष परफ्यूम की तीखी महक, उनके सीने पर सांप लौटने लगा। 'उसकी सुंदरता मेरी सुंदरता से अधिक क्यों' वाला नारी सुलभ ईर्ष्या भाव जाग उठा। जब जब भी वह इसे देखती तो मन ही मन सोचा करती थीं कि वे भी अपना पारंपरिक श्रृंगार छोड़ कर आधुनिक श्रंगार करें, लेकिन विष्णु जी को उनका यही सादगी वाला रूप पसंद था, अतः वे मन मसोसकर रह जाती थी। लेकिन इधर वे कुछ समय से देख रही थीं कि पतिदेव की निगाहें मेनका, रंभा में ही ज्यादातर टिकी रहती हैं तथा वे अक्सर उनके ही सामने मेनका, रंभा आदि के रूप सौन्दर्य की चर्चा छेड़ देते थे।

लक्ष्मी जी ने ठान लिया-इस बार भारत जाएँगी तो ब्यूटी पार्लर अवश्य जावेंगी। उन्होंने अपने सेक्रेटरी उलूक को आदेश दिया कि तुम रात्रि 12 बजे भारत में मिलो, मुझे कुछ आवश्यक कार्य है अतः मैं दोपहर में ही जा रही हूं, मैं तुम्हें प्रोग्राम के मुताबिक वहीं मिल जाऊँगी। उलूक महाशय ने यस मेडम के अंदाज में सर हिला दिया लेकिन वे सोच में पड़ गए कि मेडम आज अकेले ही भारत भ्रमण पर कैसे जा रही हैं। ऐसा क्या आवश्यक कार्य है जो वे मुझे नहीं बता पा रही हैं। इसके पूर्व तो वे कोई भी कार्य या बात हो मुझ से ही चर्चा करती थीं। खैर रात में जब मेडम से मिलेंगे तो वे स्वयं ही बता देंगी कि किस जरूरी कार्य से वे पहले ही चली गई। लक्ष्मी जी अपनी निर्धारित योजनानुसार स्वर्ग से जब भारत मैं पहुचीं तो वे एक प्रसिद्ध ब्यूटी पार्लर के सामने खड़ीं थीं, कुछ देर तक उनकी हिम्मत अंदर जाने की नहीं हो रही थी लेकिन फिर भी वे हिम्मत जुटाकर पार्लर के अंदर प्रवेश कर गईं।दर प्रवेश करने पर उन्होंने देखा, तीन चार लड़कियां कुछ लड़कियों के बाल काट रहीं थीं, कुछ लड़कियों के चेहरे पर सफेद सा पुता हुआ था जिससे वे अजीब सी दिख रही थीं। तभी पार्लर की संचालिका ने मशीनगन की तरह सवाल दागे-'बॉब कट? फेशियल? आई ब्रो? पेडिक्योर? मेनिक्योर?' लक्ष्मी जी घबरा गई, बोलीं-'आधुनिक बनाइए, पर सबसे अलग।' संचालिका मुस्कराई-'समझ गई- हिंदी स्कूल की मास्टरनी अब कान्वेंट की मेडम बनना चाहती हैं।'

जी,वो बात नही,मैं मास्टरनी नहीं हूँ, मैं तो लक्ष्मी हूँ। अरे छोड़ो, नाम में क्या रखा है, अब मेडम बन ही रही हो तो नाम भी बदल देना। अपना नाम मिसेज एल.मी. बताना, इस दकियानूसी लक्ष्मी नाम से एल.मी. कितना मॉडर्न नाम लगता है, है ना। लक्ष्मी जी कुछ कहें तब तक उनके सिर के बाल आधे कट चुके थे और थोड़ी ही देर बाद उनके बाल बॉब कट श्रेणी के विशेष हेयरस्टाइल में बदल चुके थे और फिर फेशियल के नाम पर न जाने कौन कौन से पेस्ट उनके चेहरे,गर्दन,हाथ एवं पैरों पर पोते जा चुके थे। और फिर तीन घंटे बाद जब वे आईने में दिखीं तो खुद को पहचान न पाईं। बाल बॉब-कट, मिडी में लिपटीं, जेवर-साड़ी पार्लर वाली के कब्जे में। शर्म के कारण बाहर निकलने की हिम्मत न पड़ रही थी। इस अनोखे रूप मे लक्ष्मी जी स्वयं को बेहद अटपटा महसूस कर रही थीं, रात गहराती जा रही थी और वे सोच रही थीं कि इस रूप मे बाहर निकलें तो कैसे, वे मन ही मन उस घड़ी को कोस रही थीं, जब उनकी मति भ्रष्ट हो गई थी और ब्यूटी पार्लर जाने का विचार आया था। वे ब्यूटी पार्लर में आकर बुरी तरह फंस गई थीं। प्रत्येक वर्ष वह यही सोच कर आती थीं कि किसी गरीब, मजलूम पर कृपा करेंगी, ताकि उसके चेहरे पर भी थोड़ी सी खुशी छलक सके, लेकिन हर बार किसी न किसी अमीर के झांसे में आकर उसकी तिजोरी में कैद होकर रह जाती हूँ। उधर उलूक महाशय रात में पेड़ पर बैठे इस इंतजार में थे कि मां लक्ष्मी आयेंगी तो गरीब भक्तों पर कृपा बरसाएँगी। लेकिन लक्ष्मी जी सोच रही थीं-'ये कैसी कृपा, जो पहले मुझ पर ही बरस गई?'

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

धनतेरस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

सुख समृद्धि का एहसास कराता है धनतेरस

धनतेरस का त्योहार दीपावली पर्व के प्रारम्भ को दर्शाता करता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

' धन्वंतराये नमः ' धन्वंतरि मंत्र है। इस मंत्र का जाप रोगों से मुक्ति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए किया जाता है। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं। उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बंध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां ना करे।

दिवाली विशेष

संदीप सृजन
लेखक स्तंभकार हैं।

दीवारों दर के साथ दिल भी जगमग करें

दिवाली का महत्व केवल बाहरी दीप जलाने तक नहीं है। यह हमें अपने भीतर की नकारात्मकता, जैसे कि क्रोध, ईर्ष्या, घृणा और भय, को दूर करने की प्रेरणा देता है। दीवारों दर के साथ दिल को भी इस पर्व पर हमें जगमग करना है। हमें उन अदृश्य दीवारों को तोड़ना होगा जो हमें दूसरों से अलग करती हैं—चाहे वह सामाजिक, आर्थिक, भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक दीवारें हों। यह त्योहार हमें अपने दिल में प्रेम, करुणा और एकता की ज्योति जलाने का अवसर देता है।

दिवाली न केवल रोशनी, रंगों और उल्लास का पर्व है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी है जो हमें अपने भीतर और बाहर की अंधेरी दीवारों को तोड़कर, अपने दिल को प्रेम, एकता और सकारात्मकता की रोशनी से जगमग करने का मौका देता है। यह पर्व अंधेरे पर उजाले की विजय और अज्ञान पर ज्ञान की प्रबलता का प्रतीक है। लेकिन यह केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं है, यह एक ऐसा पर्व है जो विभिन्न धर्मों, समुदायों और संस्कृतियों को एकजुट करता है।

दिवाली का महत्व केवल बाहरी दीप जलाने तक नहीं है। यह हमें अपने भीतर की नकारात्मकता, जैसे कि क्रोध, ईर्ष्या, घृणा और भय, को दूर करने की प्रेरणा देता है। दीवारों दर के साथ दिल को भी इस पर्व पर हमें जगमग करना है। हमें उन अदृश्य दीवारों को तोड़ना होगा जो हमें दूसरों से अलग करती हैं—चाहे वह सामाजिक, आर्थिक, भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक दीवारें हों। यह त्योहार हमें अपने दिल में प्रेम, करुणा और एकता की ज्योति जलाने का अवसर देता है।

दिवाली वो त्योहार है जो सामाजिक एकता को बढ़ावा देता है। यह वह समय है जब लोग अपने परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ मिलकर खुशियां बांटते हैं। मिठाइयों का आदान-प्रदान, दीयों की सजावट, और आतिशबाजी का आनंद सभी मिलकर लेते हैं। लेकिन क्या हम वास्तव में उन लोगों तक पहुंचते हैं जो समाज के हाशिए पर हैं? क्या हम उन लोगों के साथ अपनी खुशियां बांटते हैं जिनके पास उत्सव मनाने के साधन नहीं हैं? हमें उन सामाजिक दीवारों को तोड़ना होगा जो अमीर और गरीब, ऊंच और नीच, या विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच खड़ी हैं। दिवाली पर हम अपने आसपास के उन लोगों तक पहुंच सकते हैं जो उपेक्षित हैं-चाहे वह हमारे घर में काम करने वाले लोग हों, सड़क किनारे रहने वाले गरीब हों, या वे बच्चे हों जो आतिशबाजी और मिठाइयों के लिए तरसते हैं। एक छोटा-सा दीया, एक मिठाई का डिब्बा, या बस एक मुस्कान भी उनके दिल को रोशन कर सकती है।

हमारे समाज में बाहरी दीवारों के साथ-साथ, हमारे मन में भी कई दीवारें होती हैं। ये दीवारें नकारात्मक विचारों, पूर्वाग्रहों, और आत्म-संदेह की हो सकती हैं। दिवाली हमें इन आंतरिक दीवारों को तोड़ने का अवसर देती है। उदाहरण के लिए, कई बार हम अपने अतीत की गलतियों या असफलताओं को लेकर अपने दिल में एक दीवार खड़ी कर लेते हैं। यह दीवार हमें आगे बढ़ने से रोकती है। इस दिवाली, हमें अपने भीतर की इन दीवारों को तोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। आत्म-चिंतन और ध्यान के माध्यम से हम अपने मन को शुद्ध कर सकते हैं। यह वह समय है जब हम अपने लक्ष्यों को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं, अपनी कमजोरियों को स्वीकार कर सकते हैं, और अपने भीतर की

सकारात्मक ऊर्जा को जगा सकते हैं। जब हम अपने दिल को नकारात्मकता से मुक्त करते हैं, तो हमारा मन एक दीये की तरह जगमगाने लगता है, जो न केवल हमें बल्कि हमारे आसपास के लोगों को भी रोशनी देता है।

दिवाली के उत्सव में आतिशबाजी और दीयों का विशेष महत्व है, लेकिन हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हमारा उत्सव पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए। पिछले कुछ वर्षों में, आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण की समस्या बढ़ी है। यह एक ऐसी दीवार है जो हमारे और प्रकृति के बीच खड़ी हो रही है। हम पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें। इस दिवाली, हम पर्यावरण-अनुकूल तरीके अपनाकर उत्सव मना सकते हैं। मिट्टी के दीये जलाना, प्लास्टिक की सजावट के बजाय प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करना, और आतिशबाजी को कम करके पर्यावरण को स्वच्छ रखना कुछ ऐसे कदम हैं जो हम उठा सकते हैं। जब हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाते हैं, तो हमारा उत्सव और भी अर्थपूर्ण हो जाता है।

दिवाली का मौसम वह समय होता है जब लोग खरीदारी, सजावट और उपहारों पर खूब खर्च करते हैं। लेकिन हमें यह भी सोचना चाहिए कि हमारा खर्च कितना जरूरी है। क्या हम उन चीजों पर पैसा खर्च कर रहे हैं जो वास्तव में हमारे लिए मायने रखती हैं? या हम केवल सामाजिक दबाव में आकर अनावश्यक खर्च कर रहे हैं? इस दिवाली, हमें आर्थिक जागरूकता की दीवार को तोड़ना चाहिए। हमें स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यवसायियों से खरीदारी करनी चाहिए, ताकि उनकी आजीविका को भी समर्थन मिले। इसके साथ ही, हमें अपने बजट का ध्यान रखना चाहिए ताकि उत्सव के बाद हमें आर्थिक तनाव का सामना न करना पड़े। जब हम सोच-समझकर खर्च करते हैं, तो हमारा उत्सव न केवल खुशी देता है बल्कि समाज के लिए भी लाभकारी होता है।

दिवाली परिवार और रिश्तों का त्योहार है। यह वह समय है जब लोग अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर अपनों के साथ वक्त बिताते हैं। लेकिन कई बार, पारिवारिक रिश्तों में भी दीवारें खड़ी हो जाती हैं-चाहे वह गलतफहमियां हों, पुरानी बातों का बोझ हो, या समय की कमी हो। इस दिवाली, हमें इन भावनात्मक दीवारों को तोड़ने का प्रयास करना चाहिए। एक साधारण बातचीत या एक माफी पुराने रिश्तों को फिर से जीवंत कर सकता है। हमें अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि यही वह रोशनी है जो हमारे दिल को सबसे ज्यादा जगमग करती है।

दिवाली केवल दीयों और आतिशबाजी का त्योहार नहीं है, यह एक ऐसा अवसर है जो हमें अपने जीवन की हर दीवार को तोड़कर, अपने दिल को रोशनी से भरने की प्रेरणा देता है। चाहे वह सामाजिक असमानता की दीवार हो, नकारात्मक विचारों की दीवार हो, या पर्यावरण के प्रति लापरवाही की दीवार हो, इस दिवाली हमें हर दीवार को तोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। जब हम अपने दिल को प्रेम, करुणा और एकता की रोशनी से जगमग करते हैं, तो हम न केवल अपने लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। इस दिवाली, आइए हम सब मिलकर न केवल अपने घरों को, बल्कि अपने दिलों को भी रोशनी से भर दें। दीवारों दर के दिल को भी जगमग करिए, और इस त्योहार को सही मायनों में यादगार बनाइए।

दृष्टिकोण

सुदीप श्रीवास्तव

दिवाली- त्योहार है अथवा व्यवहार है....?

आज की महंगाई और सामाजिक विद्वेष के वातावरण में लोग त्योहार मना कहां पा रहे हैं; बल्कि वे मात्र त्योहार के व्यवहार तक ही सीमित रह गए हैं। पड़ोसी की दिवाली मनाए जाने के तरीके को अपने में ढालने के चक्कर में पड़ोसी के बच्चे का मन कुंठित हो रहा है; बिना पेंशन पाने वाले मर-मर कर जी रहे हैं, नौकरियाँ हैं नहीं, मगर पिता क्या करें सामान लाना ही पड़ेगा, क्योंकि त्योहार का व्यवहार भी तो निभाना ही पड़ेगा।

आज के नए युग में भी पुरानी मान्यताओं का चलन है अच्छा है जो आज भी बना हुआ है। और यह तब तक रहेगा जब तक कि नई सुबह की नई किरण से लोगों का परिचय नहीं होगा।

वास्तविकता यही है कि; यदि हम खुश हैं तो त्योहार है, उत्सव है; जहाँ हमारा अंतर्मन प्रसन्न है, वहां त्योहार है, उत्सव है! यदि जेब खाली हो और परिवार भूखा हो और मन पीड़ित हो और फिर वही त्योहार मनाया जाए तो वह त्योहार की जगह व्यवहार हो जाता है क्योंकि उसे मन से नहीं मगर लोकाचार के कारण मनाना पड़ता है।

दिवाली पर लोग पटाखे खरीदेंगे, मिठाइयाँ खरीदेंगे, नई-नई गाड़ियाँ खरीदेंगे; मगर क्या जीएसटी/सीएसटी के बढ़ते प्रतिशतों के कारण सामान्य परिवार का या गरीब परिवार का आदमी अपने आप को इस मंहगाई में ढाल करके दिवाली जैसे त्योहार को उत्सव के रूप में मना पाएगा?

क्या दूध बेचने वाले दुकानदार अपने सामान पर लगने वाले जीएसटी/सीएसटी को ग्राहकों की मिठाईयों पर नहीं थोपेंगें? उन दुकानदारों के भी परिवार और छोटे-छोटे बच्चे हैं और ग्राहकों के भी हैं। तो फिर क्या वे परिवार के मुखिया अपने-अपने परिश्रम की कमाई को बच्चों की या परिवार की खुशियों में लगाने की बजाय पटाखों में रोते-रोते खर्च करेंगे? तब क्या यह त्योहार वास्तव में त्योहार होगा या फिर व्यवहार होकर रह जाएगा?

आज की महंगाई और सामाजिक विद्वेष के वातावरण में लोग त्योहार मना कहां पा रहे हैं; बल्कि वे मात्र त्योहार के व्यवहार तक ही सीमित रह गए हैं। पड़ोसी की दिवाली मनाए जाने के तरीके को अपने में ढालने के चक्कर में पड़ोसी के बच्चे का मन कुंठित हो रहा है; बिना पेंशन पाने वाले मर-मर कर जी रहे हैं, नौकरियाँ हैं नहीं, मगर पिता क्या करें सामान लाना ही पड़ेगा, क्योंकि त्योहार का व्यवहार भी तो निभाना ही पड़ेगा। सरकार के तेवर टैक्स को लेकर; गैस,पेट्रोल, किराना को लेकर; दिन प्रतिदिन, हर जगह समाज के त्योहारों भर के ही नहीं बल्कि जीने के तरीकों के ढाँचे को भी बदल रहे हैं।

नई सोच की नई किरण कहीं पर भी देखने को नहीं मिल रही है। मन में लोगों के न राम रह गए और न उनके पद चिह्न। राम का नाम पटाखों के धुएं में छिप गया और पद चिह्न सीमेंट की रोडों के ठेकेदार खा गए, जिनके परिवारों के लिए दीवाली ठीक है। वह मजदूर या सामान्य परिवार दिवाली क्या जानेगा जिसको समय पर उसकी मजदूरी भी नहीं मिल पाई होगी।

व्यवसायियों को कहते सुना है कि आज बाजार धीमा रहा, कल और धीमा रहने वाला है; सवाल है कि नौकरी है, पेंशन नहीं है; नौकरियों में भी स्थायित्व नहीं है, नहीं। लोग प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे हैं। सरकार ने हर व्यवसाय पर अपनी तरह का टैक्स लगा रखा है तो फिर बाजार में धन आने का और क्या माध्यम हो सकता है? मनमोहन सिंह के समय पेड़ पर पैसे नहीं लगते थे; मगर अब क्या हुआ?

कुछ लोग तो यह भी कहेंगे कि; ऐसा लिखने वाला पुरानी सोच या नकारात्मक सोच का व्यक्ति होगा, मगर यह बात कुछ कहने की बजाय दिल पर हाथ रखकर सोचने जैसी भी तो हो सकती है।

मुझे तो लगता है कि सात हजार और पाँच हजार सालों से चली आ रही इस पारम्परिक सोच के साथ साथ आज लोगों के हाथों में त्योहारों के दिनों में चिटपिटी, राकेट बम, फुलझड़ी की जगह वास्तविक मन की रोशनी, खुद के आत्मिक राकेट और खुली सोच के आसमान में रोशनी फैलाने वाली योग्यता हो जानी चाहिए थी। मगर हम नया कुछ भी ईजाद नहीं कर पाए। छिटपुट विकास की बातें तो देश में हमेशा होती रही हैं और आगे भी होती रहेगीं मगर मुद्दा है कि हम दिवाली के त्योहार को उत्सव के रूप में कब मनाएंगे? दिवाली पर 'त्योहार या व्यवहार' यह आपकी भविष्य में 'नई सोच की नई किरण' पर निर्भर करेगा।

धनतेरस स्पेशल

अमिताभ स.

बढ़ते भाव ने चमकाया सोने की छड़ों का कारोबार

सोना रोज नई ऊंचाई छू रहा है। 24 कैरेट यानी 999 शुद्धता के सोने के बिस्कुट- छड़ों का भाव पहली बार 1,30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पार हो गया। सोने की चमक ही है कि इतने ऊंचे भाव पर भी सोना नहीं मिल रहा।

सोने का अंतराष्ट्रीय भाव 4,000 डॉलर प्रति औंस (31.1035 ग्राम) के ऊपर है, और एक डॉलर के मुकाबले रुपये की क़ीमत 81.80 रुपये भी ऊंची है। इसी साधारण गणित के हिसाब से, भारत में सोना 1,13,000 रुपये प्रति 10 ग्राम बैठता है। आयात शुल्क, इंश्योरेंस, ट्रांसपोर्ट, जीएसटी वगैरह अन्य खर्चे जोड़ कर आज का भाव निकाला जाता है। चूंकि निवेश विशेषज्ञ बताते रहे हैं कि सोना जिस भाव में ख़रीदा जाए, सस्ता ही होता है। क्योंकि अब तो सोना लंबी ही नहीं, छोटी अवधि में भी मुनाफ़ा दे रहा है। शायद इसीलिए बीते कुछ सालों से गहनों की बजाय सोने के बिस्कुट, सिक्के और छड़ें ज्यादा बिकने लगी हैं। सोने के गहनों की तरह ही सोने की छड़ों, बिस्कुटों और सिक्कों की अपनी अलग दुनिया है। जूलर इन्हीं छड़ों, बिस्कुटों और सिक्कों को गलाकर गहने बनाते हैं ।

'वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल' के अनुसार दुनिया भर में सोने की छड़ें, बिस्कुट और सिक्के बनाने वाली 58 कंपनियां ही हैं। सबसे मशहूर और भरोसेमंद सोने की छड़ें बनाने वाली कंपनियों में द रॉयल मिंट, पर्थ मिंट, उमिकोर, एमिरेट्स, मेटलोर और पेम सुइस हैं। इन्हीं गिने- चुने उत्पादकों द्वारा निर्मित सोने की छड़ें और बिस्कुट दुनिया की 4 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण एजेंसियों- लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन, कॉमेडिटीज एक्सचेंज न्यूयार्क, टोक्यो कामोडिटी एक्सचेंज और ज्यूरिख गोल्ड पूल- द्वारा स्वीकृत की जाती हैं। सोने के बिस्कुट और छड़ें औद्योगिक जरूरतों, पूंजी निवेश के साधनों और बदलते फैशन को मद्देनजर रखकर बनाए जाते हैं।

छड़ें और बिस्कुट मुख्यत: दो विधियों में बनते हैं- ढलाई और टकसाली सिक्का विधि से। इनकी शुद्धता 24 कैरेट होती है। हालांकि 24 कैरेट शुद्ध सोना 1000 भाग शुद्धता वाला सोना माना जाता है, बेशक होता 999 शुद्ध ही है। अलग- अलग देशों की भिन्न- भिन्न वजन इकाइयों में बनते हैं- मसलन ग्राम, औंस, तोला, टेल, बाहत और चीह। ग्रामों में इनका परिवर्तन करना सुविधाजनक है। औंस में 31.1035 ग्राम, 10 तोला में 116.638 ग्राम, 5 टेल में 187.145 ग्राम, 10 बाहत में 150.244 ग्राम और 5 चीह में 18.150 ग्राम होता है।

आमतौर पर, दुनिया की सबसे बड़ी और भारी सोने की एक छड़ का वजन साढ़े 12 किलो होता है। इससे ज्यादा वजन की एक छड़ नहीं बनाई जाती। इतनी वजनी छड़ों को 51 कंपनियां बनाती हैं। इनकी न्यूनतम शुद्धता 99.5 प्रतिशत होती है। ये छड़ें 'लंदन वुड डिलीवरी' में मंजूर की जाती हैं। तमाम देशों के सेंट्रल बैंक इन्हीं वजन की छड़ों के में अपना स्वर्ण भंडार रखते हैं। वैसे, एक किलो वजन की सोने की छड़ सबसे ज्यादा प्रचलित 'कास्ट बार' है । इसकी शुद्धता 99.99 प्रतिशत होती है। 'किलो बार' के अलावा 34 स्वर्ण उत्पादक कंपनियां 500 ग्राम व उससे कम, और 20 औंस व उससे कम वजन की कास्ट बार बनाती हैं। ग्रामों में 500 ग्राम से 10 ग्राम तक 8 विभिन्न वजन इकाइयों में और औंस में 20 से आधा औंस तक 7 वजन इकाइयों में सोने के बिस्कुट बनते- मिलते हैं। सबसे हल्का 10 ग्राम का बिस्कुट ब्राजील की 'डीगस' नामक कंपनी बनाती है। इसी प्रकार आधा

औंस का बिस्कुट ऑस्ट्रिया की पर्थ मिंट में ढलता है। हालांकि सोने के भाव सातवें आसमान पर पहुंचने के चलते अब महज 1 ग्राम के प्योर सोने के सिक्के भी बनते- मिलते हैं।

ढलाई के अतिरिक्त टकसाल में बने सिक्कों की तकनीक से भी सोने के बिस्कुट बनाए जाते हैं। इस तकनीक के जरिए, सबसे पहले 1950 के दशक में सोने के बिस्कुटों का निर्माण किया गया था। दुनिया की 25 स्वर्ण कंपनियां ऐसे बिस्कुटों का निर्माण ग्राम और औंस वजन इकाइयों में करती हैं। ग्रामों के तहत 14 विभिन्न वजनों में 500 ग्राम से 0.3 ग्राम तक बिस्कुट बनते हैं। उधर औंस के अंतर्गत 20 औंस से लेकर 1/10 औंस की कुल 8 वजन इकाइयों में बिस्कुट बनाए जाते हैं। कनाडा की जानसन मारही सबसे भारी 500 ग्राम और 20 औंस के बिस्कुट बनाती हैं। सबसे हल्के 0.3 ग्राम वजन के बिस्कुटों का निर्माण जापान की तानाका कंपनी करती है। सोने की टेल छड़ें तीन आकारों में बनती हैं- बिस्कुट, नाव और छेदनुमा तश्तरी। इनकी शुद्धता 99 फीसदी होती है और वजन आधा टेल से 10 टेल तक। टेल छड़ों का इस्तेमाल मुख्यत: हांगकांग और ताइवान जैसे चीनी भाषी देशों में बढ़- चढ़ कर होता है। 'टेल' वजन की चीनी इकाई है।

स्विट्जरलैंड को पहले- पहल बेहद खूबसूरत और रंगीन डिजाइन वाले सोने के बिस्कुट उतारने का श्रेय जाता है । इसकी पैम्प नामक कंपनी ने 1990 में पहली बार रंगीन होलोग्राम पेडेंड बनाया, तो हंगामा ही हो गया। 24 कैरेट शुद्ध बिस्कुट पर खूबसूरत रूपों की रानी की रंगीन छवियां चित्रित थीं। एक दौर था, जब ये भारत और अरब राष्ट्रों में खूब लोकप्रिय हुए। सजावटी स्वर्ण बिस्कुट की श्रेणी में, यूनियन बैंक ऑफ स्विट्ज़रलैंड के नए 'किन बार' बिस्कुटों का अहम स्थान रहा। दिसंबर 1993 में विश्व स्वर्ण बाजार में उतरे 'किन बार' पर इन्द्रधनुषी रंगों को खेल से इक्कीस रहे जापान के 'फाइन गोल्ड कार्ड'। उधर जापान की मित्सुबिशी कंपनी द्वारा निर्मित सोने के बिस्कुटों पर भी रंगीन फोटो चित्रित होने लगी। एक- एक किलो तक भारी स्वर्ण कार्ड बनने लगे। लेकिन जापान में 1 ग्राम का 'फाइन गोल्ड' सर्वाधिक बिकने वाला सोने का कार्ड है। मित्सुबिशी साल 1993 में ही 24 कैरेट के अलावा 18 कैरेट (75 प्रतिशत शुद्ध सोना) के बिस्कुट बनाने लग गई।

यही नहीं, सोने के बुलियन सिक्के भी खूब बनते और बिकते हैं। जापान के 'पीन येन', आस्ट्रेलिया के 'नगेट', ऑस्ट्रिया के 'पिल्कमोनिकर', कनाडा के 'मेल्प लीफ़', चीन के 'पंडा', सिंगापुर के 'लॉयन', दक्षिण अफ्रीका के 'क्रूगरेंट', ब्रिटेन के 'ब्रटानिया' और अमेरिका के 'ईगल' दुनिया के नामी- गिरामी बुलियन सिक्के हैं। दो दशक पहले तक 24 कैरेट के 10 तोले के बिस्कुट यूरोपीय देश खासतौर से भारत के लिए बनाते थे। तब तोला बिस्कुटों की लगभग सारी खपत भारत और पाकिस्तान में ही होती थी। भारत में आजादी के बाद से ग्राम पद्धति लागू है, फिर भी सालों- साल सोने के बिस्कुटों में तोला ही प्रचलित रहा। दस तोले का मतलब 116.64 ग्राम होता था, जिसके सोने की शुद्धता 99.9 प्रतिशत थी। सोने का ताजा भाव रोजाना अखबारों में छपता है।

वैसे, बीते दो दशकों से कुछ भारतीय सरकारी और प्राइवेट बैंक 5, 10, 50, 100 और 1000 ग्राम के 999 शुद्ध सोने के सिक्के, बिल्कुल और छड़ें बेच रहे हैं। हालांकि सिक्के फैंसी या सजावटी होते हैं, इसलिए उनपर तय भाव से 10 फ़ीसदी तक प्रीमियम वसूल किया जाता है। उल्लेखनीय है कि 1960 से 1990 तक लागू रहा गोल्ड कंट्रोल एक्ट बीते साढ़े 3 दशकों से पूरी तरह हट चुका है। तब से सोने के बिस्कुट, छड़ें और सिक्के खरीद, रख और बेच सकते हैं। तभी से भारत सरकार का उपक्रम एम एम टी सी भी और बाद में बैंक सोने के बिस्कुट बना और बेच रहा है।

बिलदा में हुई घटना में घायल तीन व्यक्तियों के बीच प्रशासन की सख्ती, कलेक्टर ने पटाखों की अनाधिकृत बिक्री पर सख्त चेतावनी जारी की

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने राजस्व पुलिस और स्थानीय निकाय के अमले को पटाखों के अवैध क्रय- विक्रय पर सख्त हिदायत दी है। कलेक्टर ने निर्देश दिया है कि किसी भी सूरत में पटाखों का अनाधिकृत रूप से विक्रय नहीं होने दिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति या दुकान इस नियम का उल्लंघन करती पाई जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार पटाखों की दुकानों का निरीक्षण करें और अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उधर, बिलदा में हुई घटना में घायल तीन व्यक्तियों का इलाज भी जिला प्रशासन की देखरेख में समुचित रूप से कराया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर मनावर एसडीएम और एसडीओपी मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रभावितों को उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। जिले में सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और जनता से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध पटाखा बिक्री की सूचना प्रशासन को दें। कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारियों ने विभिन्न निकायों में दुकानों का निरीक्षण कार्य आरम्भ कर दिया है।

सड़क सुरक्षा को लेकर धार प्रशासन की कवायद, जीरो फटेलिटी प्रोग्राम के तहत 3 प्रमुख मार्गों पर होंगे सुधार कार्य

बैठक में आईआईटी मद्रास और सेव लाइफ फाउंडेशन के विशेषज्ञ भी वर्चुअली शामिल हुए

धार। सड़क सुरक्षा को लेकर धार प्रशासन की कवायद, जीरो फेटेलिटी प्रोग्राम के तहत 3 प्रमुख मार्गों पर होंगे सुधार कार्य। बैठक में

आईआईटी मद्रास और सेव लाइफ फाउंडेशन के विशेषज्ञ भी वर्चुअली शामिल हुए। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिले में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए उठाए जाने वाले ठोस कदमों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर लघु परिशोधन कार्य, प्रवर्तन और जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जरूरी है। सड़क सुरक्षा केवल प्रवर्तन का नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का विषय है। सभी विभाग मिलकर कार्य करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि शून्य तक लाई जा सके। जीरो फेटेलिटी प्रोग्राम के तहत जिले के तीन प्रमुख मार्ग – लेबड़-जावरा मार्ग, धार-नागदा मार्ग और आगरा-मुंबई मार्ग को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया गया है। इन सड़कों पर सुरक्षा सुधार कार्यों के साथ ही रतलाम नाका स्थित निर्माणाधीन रेल ओवर ब्रिज के कारण मार्ग परिवर्तित करने तथा ब्रिज के दोनों ओर आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने गौतम स्कूल के सामने नवीन मार्ग जंक्शन को विकसित करने और जिले के सभी प्रमुख जंक्शनों पर वाहनों की गति नियंत्रण हेतु ठोस उपाय लागू करने के निर्देश भी दिए। सड़कों पर झाड़ियों की कटाई, रम्बल स्ट्रिप्स, रोड स्टड्स जैसे सुधारात्मक कार्य तत्काल करने के लिए विभागों को पाबंद किया गया। राहवीर योजना के प्रभावी प्रचार-प्रसार, कैशलेस उपचार योजना के बेहतर क्रियान्वयन और वृहद स्तर पर प्रवर्तन कार्यवाही करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर, एसडीएम राहुल गुप्ता, यातायात प्रभारी सहित परिवहन, लोक निर्माण, चिकित्सा, रेल्वे एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के मतदाता 24 अक्टूबर तक फोटो युक्त मतदाता सूची के लिए कर सकेंगे दावे आपत्ति

बैतूल। निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों और नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया एवं संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन मकसूद अहमद ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि अब 24 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन श्री अहमद ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा में दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की पूर्व अंतिम तिथि 8 अक्टूबर 2025 थी, जिसे अब 24 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दिया गया है। इस अवधि में सभी पात्र नागरिक अपने नाम जोड़ने, संशोधन, या विलोपन के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

ग्राहकों को लुभावने ऑफरों की भरमार, सराफा, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक बाजार में अनेकों वैरायटी

बैतूल। धनतेरस तथा दीपावली पर्व को लेकर दुकानदारों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। विशेष सजावट से दुकानों को सजाने के कारण पूरा बाजार जगमगा गया है। दुकानदार अपनी-अपनी दुकान के आगे वस्तुओं का डिसप्ले करने के लिए बडे-बडे टैंट लगाकर उनमें सामान रख ग्राहकों को रिझाने का प्रयास कर रहे हैं। बाजार में भी लोगों की भीड़ दिखाई देने लगी है। जिसके कारण धनतेरस और दीपावली त्योहार को लेकर हर जगह चहल पहल बढ़ सी गई है। धनतेरस को लेकर सोने-चांदी की दुकानदारों ने भी ग्राहकों की डिमांड तथा लेटेस्ट फैशन को देखते हुए पहले से ही आभूषणों को तैयार कर रखा है। ताकि सामग्री लोगों को देखते ही पसंद जाए और उनकी बिक्री जोरों पर हो। धनतेरस को लेकर सोने-चांदी के शोरूम भी ग्राहकों के लिए सज कर तैयार हो गए हैं।

दुकानदारों द्वारा धनतेरस को लेकर अच्छी खरीददारी के कयास लगाए जा रहे हैं। जिसके चलते लोगों में भी उत्साह का माहौल बना हुआ है। हालांकि लोग धनरतेरस पर खरीदारी करना शुभ मानते हैं। ऐसे में धनतेरस पर खरीदारी के लिए बाजारों में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। व्यापारी भी बाजार में ग्राहकों की संख्या को देखकर खरीदारी अच्छी होने की उम्मीद लगा रहे हैं।

लुभावने ऑफरों की भरमार

बाजार के हर सेक्टर में ऑफर्स की भरमार है। कहीं कैशबैक है, तो कही छूट दी जा रही है। हर छोटे-बड़े शोरूम से खरीदारी करने वालों को निश्चित उपहार दिये जा रहे हैं। इलेक्ट्रानिक उपकरणों के भी स्टॉल लगाये गये हैं। लोग एक सप्ताह पहले से ही डेमो लेने आ रहे हैं। कम बिजली खपत वाले टीवी, फ्रीज, वाशिंग मशीन, एसी, माइक्रोवेव ओवन, डिशवाशर, म्यूजिक सिस्टम, मोबाइल फोन, लैपटॉप और नये गैजेट्स की डिमांड है।

धनतेरस को लेकर सजा बाजार

इधर स्ट्रील बर्तनों की भी दुकानें सज गई हैं। व्यापारियों ने नई डिजाइन के स्टील के बर्तन के साथ गिफ्ट आइटम मंगाए हैं। इस बार महंगाई जरूर है। हालांकि व्यापारियों को इस बार अच्छे व्यापार की उम्मीद है। धनतेरस पर सबसे ज्यादा स्टील, पीतल और कांसे के बर्तनों की बिक्री होती है। ऐसे में सभी दुकानों पर स्टील के बर्तन सज गये हैं। कोठीबाजार और गंज क्षेत्र में कई दुकानों के बाहर ऑफर्स भी टंगे हुए हैं।

सराफा बाजार में अच्छे कारोबार की उम्मीद

भारतीय परंपरा और मान्यताओं के अनुसार धनतेरस को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए सबसे शुभ माना जाता है। ऐसे में सोने के भाव भले ही आसमान छू रहे हो, लेकिन व्यापारी अच्छी बिक्री की उम्मीद लगाए हैं।

सराफा व्यापारियों ने बताया कि बाजार में चांदी के गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों के साथ अलग-अलग आकार के सोने, चांदी के सिक्के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। ज्वेलरी खरीदने के लिए भी लोग धनतेरस का इंतजार करते हैं। डायमंड ज्वेलरी आजकल ज्यादा ट्रेंड में हैं। सोने के भाव ज्यादा है तो हल्के वजन में अच्छी डिजाइनों के आभूषण लोग खरीदकर ले जाते हैं। इसी देखते हुए सराफा बाजार में कारोबारियों ने आकर्षक डिजाइनों के गहनों की खास रेंज तैयार की है।

चोरी का खुलासा, कर्मचारी ही निकले चोर

1 लाख 10 हजार की चुराई थी साड़ियां

बैतूल। पुलिस ने साड़ी के गोदाम में हुई चोरी का खुलासा कर दिया है। इस मामले में बोथरा फैशन हाउस के दो कर्मचारियों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस ने चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। फरियादी विवेक बोथरा (40), निवासी गोठी कॉलोनी, बैतूल ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनकी कोठीबाजार स्थित राम मंदिर के सामने बोथरा फैशन हाउस नाम से कपड़ों की दुकान है। उन्होंने आगामी दीपावली पर्व के लिए नागपुर से साडियों का नया स्टॉक मंगवाया था, जिसे दुकान के सामने स्थित अपने गोदाम में रखा था। 14 अक्टूबर 2025 को दोपहर लगभग 2 से 3 बजे के बीच दुकान के कर्मचारी महादेव अतुलकर और गुफरान खान ने बारदाना खरीदने वाले व्यक्ति रवि सुरे के साथ मिलकर गोदाम से साडियों के पार्सल चुरा लिए। तीनों ने चोरी की गई साडियों को बारदानों के साथ रवि की गाड़ी में रखकर वारदात को अंजाम दिया। चोरी की गई साडियों की अनुमानित कीमत 1 लाख 10 हजार रुपये है। दुकान के अन्य कर्मचारी राजा देशमुख, खुवराज कापसे और रोहित बचले इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी हैं। शिकायत पर थाना कोतवाली पुलिस ने धारा 303(2), 306, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई एसडीओपी बैतूल आरडी शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने जिले में दीपावली पर्व के मद्देनजर व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए थे।

इन निर्देशों के पालन में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों महादेव अतुलकर, गुफरान खान और रवि सुरे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में सउनि. केके बाथरे और थाना कोतवाली पुलिस टीम शामिल रही।

पूर्व सैनिक की जिला स्तरीय रैली 26 अक्टूबर को, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और शहीदों की पत्नियों का होगा सम्मान

बैतूल। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय बैतूल के तत्वावधान में 26 अक्टूबर को रामकृष्ण बगिया गंज में प्रातः 9.30 बजे से पूर्व सैनिकों की जिला स्तरीय रैली का आयोजन किया जाएगा। कैप्टन आईएन सुमीत सिंह सेवानिवृत्ति जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि रैली का उद्देश्य विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और शहीदों की पत्नियों के उत्थान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना है। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं शहीदों की पत्नियों की व्यक्तिगत शिकायतों के निवारण के लिए संबंधित विभागों और हितधारकों से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर वीर नारियों, शहीदों की पत्नियों और शौर्य पदक विजेताओं का सम्मान भी किया जाएगा। इसके साथ ही पेंशन विहीन और आर्थिक रूप से कमजोर पूर्व सैनिकों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि रैली में 1965 और 1971 के युद्ध में शामिल हुए सैनिकों को विशेष सम्मान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिले के सभी पूर्व सैनिकों और शहीदों की पत्नियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके योगदान और बलिदान को नमन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा सुविधा, पेंशन संबंधित समस्याओं का समाधान, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, जिला अस्पताल, ईसीएचएस, रोजगार कार्यालय, बैंक और अन्य संस्थानों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। उन्होंने जिले के सभी पूर्व सैनिकों एवं शहीदों की पत्नियों से इस रैली में समय पर शामिल होने का आग्रह किया है।

अंतरराष्ट्रीय किशोरी बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण सेक्टर बैतूल-2 के अंतर्गत ग्राम कोदारोटी के हाई स्कूल में अंतरराष्ट्रीय किशोरी बालिका दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती तुलसी मोरले ने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किशोरी बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता, व्यक्तिगत साफ-सफाई तथा गुड टच और बैड टच के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किशोरावस्था में स्वच्छता और आत्मरक्षा का ज्ञान आवश्यक है। इस अवसर पर बालिकाओं को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की जानकारी दी गई तथा एनीमिया खून की कमी जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गए। किशोरियों को संतुलित आहार एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में 11 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की सभी किशोरी बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ललिता यादव, शिक्षिकाएं ज्योति सातनकर, मोना पवार, मनाली झोड़, श्रीमती चौकीकर तथा शिक्षक श्री धुर्वे, श्री राजपूत, श्री वाघमारे सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

दीपावली से पहले वन सुरक्षा श्रमिकों के वेतन भुगतान की मांग

मुख्य वनसंरक्षक वनवृत सहित समस्त वनमंडलाधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। मध्यप्रदेश स्थायी कर्मी कल्याण संघ ने वनवृत बैतूल के अंतर्गत कार्यरत वन सुरक्षा श्रमिकों और चौकीदारों का वेतन लंबे समय से लंबित रहने पर गहरी नाराजगी जताई है। इस संबंध में संघ के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बुंदेले ने मुख्य वनसंरक्षक वनवृत बैतूल, समस्त वनमंडलाधिकारियों तथा वन अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र एवं वन विद्यालय बैतूल को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि वन सुरक्षा श्रमिकों और चौकीदारों का वेतन पिछले तीन से चार माह से नहीं मिला है, जिससे उनके परिवार आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। दीपावली जैसे धार्मिक पर्व पर भी इन श्रमिकों के घरों में खुशियों के बजाय चिंता का माहौल है।

दूरस्थ जंगलों में कार्यरत वनकर्मियों को न तो वेतन मिला है और न ही अवकाश सुविधा का लाभ मिल पा रहा है। लक्ष्मण बुंदेले ने प्रशासन से मांग की है कि वन सुरक्षा श्रमिकों, चौकीदारों एवं स्थायी कर्मियों का वेतन भुगतान तत्काल किया जाए ताकि वे भी अपने परिवार के साथ हर्षोल्लास से दीपावली मना सकें। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि श्रमिकों को नियमित वेतन के साथ छुट्टी का लाभ भी दिया जाए। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी तथा क्षेत्रीय विधायक बैतूल विधानसभा हेमंत खण्डेलवाल को सूचनार्थ प्रेषित की गई है।

सक्षम कार्यक्रम के तहत प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय उन्मुखीकरण समीक्षा बैठक संपन्न

बैतूल। सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग विवेक पांडे के मार्गदर्शन में चिचोली विकासखंड में प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कुल 48 प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापक सम्मिलित हुए। विकासखंड शिक्षा अधिकारी दीपक महाले ने सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधियों की समीक्षा की। साथ ही सक्षम कार्यक्रम के सत्रों को प्रत्येक शाला की समय सारणी से जोड़ कर गुणवत्तापूर्ण संचालन करने और कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की त्रुटि या शिथिलता स्वीकार नहीं किए जाने की बात कही। उन्होंने शिक्षण कार्यों एवं स्टाफ दायित्वों में समानता लाने की दिशा में अपने विचार साझा किए और निर्देश दिए कि संकुल प्राचार्य मासिक बैठक में सक्षम एजेंडा की समीक्षा को अनिवार्य रूप से शामिल करें।

जीवन कौशल मॉड्यूल्स पर की विशेष चर्चा – ब्लॉक एकेडमिक कोऑर्डिनेटर श्रीमती अरुणा साहू ने समस्त प्रधानपाठकों एवं संकुल प्राचार्यों, सीएसी को प्रतिमाह 2-3 एसक्यूएमएफ फॉर्म भरने के निर्देश दिए, ताकि विद्यालयों में सतत शैक्षणिक गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। कार्यशाला के दौरान वर्ष 1 एवं 2 के जीवन कौशल मॉड्यूल्स पर विशेष चर्चा हुई। संदीपनि विद्यालय नसीराबाद चिचोली के प्राचार्य एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री दीपक महाले द्वारा विद्यालय में संचालित

सक्षम कार्यक्रम कों लेकर अपने अनुभव साझा किए गए। साथ ही मास्टर ट्रेनर श्री आरिफ खान द्वारा डेमो सत्र आयोजित किया गया, जिनमें वास्तविक शिक्षण प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। जेंडर ट्रांसफॉर्मेटिव दृष्टिकोण पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा शिक्षण में इसे एकीकृत करने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा की गई। इस दौरान सक्षम कार्यक्रम के पूर्व वर्षों की उपलब्धियों एवं अनुभवों का विश्लेषण प्रस्तुत किया और जिला स्तर पर चल रही गतिविधियों की झलक साझा की। ब्लॉक प्रबंधक इंद्रसेन नागले ने सक्षम कार्यक्रम के विभिन्न कंपोनेंट्स पर चर्चा करते हुए सेशन रिपोर्टिंग, एल.एम.एस प्रणाली, मैजिक मित्र चैटबॉट एवं लाइव एसक्यूएमएफ का डेमो सेशन दिया और जीवन कौशल सत्र क्रमांक 09 का आयोजन सत्र संरचना और बारीकीयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

फसल अवशेष जलाने से मुक्त ग्राम बनाने वाली पंचायत होगी पुरस्कृत

बैतूल। फसल अवशेष जलाने से मुक्त ग्राम बनाने में सबसे अच्छी प्रगति रखने वाली ग्राम पंचायत को पुरूस्कृत किया जावेगा। प्रदेश में फसल अवशेष एक गंभीर चिंता का विषय हैं क्योंकि देश के अन्य प्रदेशों की तुलना में मध्यप्रदेश में अत्यधिक घटनाएं घटित हुयी है। मृदा और पर्यावरण स्वास्थ्य के लिए इसकी रोकथाम अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि फसल अवशेष जलाने से मृदा पर प्रतिकूल प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में रबी और खरीफ फसल की कटाई के बाद फसल अवशेष को जलाना एक आम और चिंताजनक प्रथा है, जिसका उत्पादन और पर्यावरण दोनों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कलेक्टर की अध्यक्षता में फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण करने के लिये बैठक का आयोजन किया गया जिसमें फसल अवशेष को जलाये बिना खेती को बढवा देने की कार्यायोजना एवं रणनिति के लिये जिला स?तर पर फसल अवशेष प्रबंधन जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया जिसमें समिति द्वारा फसल अवशेष जलाने पर दंढ लगाने की व्यापक कार्यवाही की जावेगी एवं कानुन की अभेलना करने पर लाभ की वापसी जैसे न्युनतम समर्थन मुल्य पर फसलो को क्रय नहीं किया जायेगा, जिन ग्रामों के द्वारा एक टन धान के भूसे में लगभग 5.5 किलोग्राम नाइट्रोजन, 2.3 किलोग्राम फास्फोरस, 25 किलोग्राम पोटेशियम, 1.2 किलोग्राम सल्फर, धान द्वारा अवशोषित 50-70 प्रतिशत सूक्ष्म पोषक तत्व और 400 किलोग्राम कार्बन होता है, जो जलाने से नष्ट हो जाता है। उपरोक्त बैठक में सुश्री वंदना जाट अपर कलेक्टर, डॉ आनंद कुमार बडोनीया परीयोजना संचालक आत्मा, डॉ प्रमोद मीणा एवं अन्य विभाग के प्रमुख बैठक में उपस्थित हुये। अपर कलेक्टर महोदया द्वारा निदेर्शित किया गया की फसल अवशेष जलाने को रोकने व्यापक स्तर से प्रचार प्रसार किया जावे ।

सीपीआर जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

बैतूल। जिले में 13 से 17 अक्टूबर तक कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन सीपीआर जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत 16 अक्टूबर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकरी कार्यालय बैतूल के सभाकक्ष में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि प्रतियोगिता में एसडी नर्सिंग कॉलेज देवगांव एवं विजन नर्सिंग कॉलेज साकादेही की नर्सिंग छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। डॉ हुरमाडे ने बताया कि कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन सीपीआर जागरूकता सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य है कि अचानक हृदय संबंधी आपात स्थितियों के दौरान जीवन बचाने में समय पर सीपीआर देकर लोगों की मदद की जा सके और लोगों की जान बचाई जा सके। आप सभी सीपीआर देने की सही तकनीक को सीखकर लोगों की मदद कर जान बचाएं एवं जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाए। उन्होंने बताया कि जागरूकता सप्ताह अंतर्गत चिकित्सकों, नर्सिंग ऑफीसर, पैरामेडिकल छात्र, स्वास्थ्य कर्मियों को सीपीआर का महत्व समझाकर सीपीआर की सही तकनीक को सीखने, का

प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे परिवार, दोस्तों सहकर्मियों और समुदाय के सदस्यों को सीपीआर और इसकी जीवन रक्षक क्षमता के बारे में जागरूक कर सकें। एमडी मेडिसिन डॉ रोहित पराते जिला चिकित्सालय द्वारा सीपीआर देने की वैज्ञानिक विधि का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि सीपीआर तब आवश्यक होता है जब कोई व्यक्ति सांस न ले रहा हो, बेहोश हो जाये, दम घुट रहा हो या दिल का दौरा पड़ा हो ऐसी स्थिति में सीपीआर देना शुरू करें।

पीएमश्री जयवंती हक्सर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सीपीआर का दिया प्रशिक्षण–सीपीआर जागरूकता सप्ताह अंतर्गत पीएम श्री जयवंती हक्सर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल में डॉ रोहित पराते द्वारा सीपीआर तकनीक पर शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। पोस्टर प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के विजेताओं का चयन गठित तीन सदस्यों की जूरी डॉ रोहित पराते, डॉ केदार जाटव बीएमओ सेहरा एवं श्री टीआर सरोदे द्वारा किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी रोशनी धुर्वे, कुमारी शीतल नवढे, कुमारी शर्मिला उइके विजन कॉलेज साकादेही, द्वितीय स्थान कुमार जूही शर्मा एस.डी. कॉलेज देवगांव एवं तृतीय स्थान कुमारी दीपिका काकोडिया, कुमारी मोनिका आरसे, कुमारी मीरा कुमरे, कुमारी मेघा सलाम को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरूस्कृत किया गया। सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े द्वारा उपस्थिति नर्सिंग छात्र-छात्राओं को सीपीआर जागरूकता शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार एवं विजन नर्सिंग कॉलेज एवं एस.डी. नर्सिंग कॉलेज के शिक्षक एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे।

प्रेमगढ़ आश्रम कोसमी में गोवर्धन पूजा पर लगेगा छप्पन भोग

बैतूल। प्रेमगढ़ आश्रम कोसमी स्थित राधा कृष्ण मंदिर में 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन होगा। श्री जगतगुरु प्रेम स्वामी महाराज वृंदावन वाले की पावन उपस्थिति में भजन-कीर्तन, सत्संग और गुरु दीक्षा कार्यक्रम संपन्न होगा। इस अवसर पर गोवर्धन भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। कार्यक्रम में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचकर गोवर्धन दर्शन का लाभ लेंगे। आयोजन के उपरांत छप्पन भोग की प्रसादी का वितरण किया जाएगा। बंशीदास महाराज ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं।

स्वच्छता को संस्थागत रूप देने अधिकारी-कर्मचारियों ने उठाई झाड़ू

स्वयं कार्यालय और परिसर की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

बैतूल। स्वच्छता को संस्थागत रूप देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत सरकारी कार्यालयों में सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर शुक्रवार को जिला आबकारी कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वयं झाड़ू उठाकर अपने कार्यालय और परिसर की सफाई की।

इस अवसर पर विभाग प्रमुख अंशुमान सिंह चढ़ार सहित तमाम निरीक्षक, आरक्षक, सिपाही और क्लेरिकल स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने मिलकर कार्यालय के विभिन्न कक्षों, रिकॉर्ड रूम, मुख्य हॉल और बाहरी परिसर की सफाई की। कर्मचारियों ने एकजुट होकर कचरा एकत्र किया, झाड़ू लगाई और साफ-सुथरे वातावरण का उदाहरण पेश किया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता को संस्थागत रूप दिए जाने वाले अभियान के अवसर पर कलेक्टर के निर्देशों के पालन में यह अभियान चलाया गया है, ताकि स्वच्छता को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर इसे संस्थागत रूप दिया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि कार्यस्थल स्वच्छ रहेगा, तो न केवल कार्य वातावरण बेहतर होगा बल्कि कर्मचारियों की कार्यक्षमता और मनोबल भी बढ़ेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि स्वच्छता को केवल पर्वों तक सीमित न रखकर इसे नियमित आदत का हिस्सा बनाया जाएगा। इस पहल से अन्य सरकारी दफ्तरों को भी प्रेरणा मिली है कि वे अपने कार्यालयों में इसी तरह स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखें।

आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में मप्र का देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मध्यप्रदेश को किया सम्मानित

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नईदिल्ली के विज्ञान भवन में आदि कर्मयोगी अभियान पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश को सम्मानित किया। प्रदेश के प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा ने म.प्र. के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार ग्रहण किया। उन्होंने जनजातीय समुदाय के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों पर प्रस्तुति दी। मध्यप्रदेश को आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन में देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम पांच राज्यों में स्थान मिला है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान जनजाति समुदायों के सामाजिक आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रारंभ किया गया। इसका उद्देश्य जनजाति क्षेत्र में ग्राम स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना, योजनाओं का प्रभावी अमल सुनिश्चित करना और शासन को और ज्यादा जवाबदेह बनाना है। यह अभियान सेवा, संकल्प और समर्पण जैसे मूल्यों पर आधारित है जो जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख सचिव जनजाति कार्य श्री गुलशन बामरा ने मध्य प्रदेश में जनजातीय विकास की स्थिति की पर जानकारी देते हुए कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान में 1 लाख 41 हजार आदि सहयोगी काम कर रहे हैं। इसके साथ एक लाख 92 हजार आदि साथी और 1210 अशासकीय संगठन जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसका लक्ष्य तीन लाख चेंज लीडर्स तैयार करना है जो निचले स्तर पर जनजातीय विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन में मदद कर रहे हैं। जनजातीय

बंधुओं की मदद के लिए 13,000 आदि सेवा केंद्र बनाए गए हैं।

जनजाति क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शाला छोड़ने वाले बच्चों पर निगरानी रखी जा रही है। वर्तमान में माता शबरी आवासीय बालिका शिक्षा कंपलेक्स, हॉस्टल, आदर्श आवासीय स्कूल, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, आश्रम स्कूल, खेल परिसर मिलाकर 2,913 संस्थाएं संचालित है जिनमें 2 लाख 30 हजार विद्यार्थियों के रहने की क्षमता है। विद्यार्थियों के कौशल विकास पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए। मलेरिया, टीबी, एनीमिया की रोकथाम के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए जा रहे हैं।

इस साल जून से लेकर सितंबर तक सिर्फ तीन माह में 81000 से ज्यादा आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। मातृत्व सुरक्षा के लिए भी विशेष पहल की गई। इसके अलावा नौ हजार से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र में टेलीमेडिसिन सेवाओं का संचालन किया गया। स्व-सहायता समूहों का गठन कर उन्हें रोजगार निर्माण एवं आजीविका की गतिविधियों से जोड़ा गया है। उन्हें आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के लिए साख सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

पीएम जनमन योजना के अंतर्गत हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट कार्य हुआ है। आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज उपलब्ध कराने में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। आयुष्मान कार्ड जारी करने में शिवपुरी, मैहर, रायसेन, कटनी और भिंड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

पीएम जनमन में शिवपुरी को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। आदि कर्मयोगी अभियान में देश स्तरीय उत्कृष्ट जिलों में मध्यप्रदेश के बैतूल जिले को सम्मानित किया गया। प्रदेश की उत्कृष्ट मास्टर ट्रेनर श्रेणी में सहायक शोध अधिकारी श्रीमती सारिका धौलपुरिया सम्मानित की गई। आदि कर्मयोगी अभियान में अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों में बैतूल, धार, पूर्वी निमाड़ और बड़वानी का विशेष उल्लेख किया गया।

राज्य स्तरीय सुपर कोच और मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रदेश के उपायुक्त आदिवासी विकास श्री जेपी यादव को भी सम्मानित किया गया। एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसियों बड़वानी, बैतूल और शिवपुरी को उल्लेखनीय गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए सम्मानित किया गया। धरती आबा जन भागीदारी अभियान में गुना, बुरहानपुर और विदिशा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसी गुना और एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसी विदिशा को उत्कृष्टतम प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

विश्व के सबसे बड़े हैंडीक्राफ्ट मेले में चमका मध्यप्रदेश का बाग प्रिंट

भोपाल। दिल्ली-एनसीआर के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित 60वें इंडियन हैंडीक्राफ्ट्स एंड गिफ्ट्स दिल्ली फेयर 2025 में भारत की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प की अनूठी झलक ने सभी का मन मोह लिया। इस अंतरराष्ट्रीय मेले में देश-विदेश से आए हजारों खरीदारों, डिजाइनरों और व्यवसायियों के बीच मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। यह फेयर एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स द्वारा आयोजित किया गया और इसे दुनिया के सबसे बड़े B2B (बिजनेस-टू-बिजनेस) ट्रेड फेयर्स में गिना जाता है।

पारंपरिक बाग प्रिंट की बारीकियों और प्राकृतिक रंगों की तकनीक को बाग शिल्पकार आरिफ खत्री ने अपने स्टॉल पर देशी और विदेशी मेहमानों के सामने प्रदर्शित किया। उन्होंने बताया कि लकड़ी के ब्लॉक से कपड़े पर बाग प्रिंट की अनूठी छपाई की जाती है। कई विदेशी प्रतिनिधि उनके पास रुककर बाग प्रिंट के इतिहास, प्रक्रिया और पर्यावरण-अनुकूल स्वरूप के बारे में विस्तार से जानकारी लेते नजर आए। बाग प्रिंट सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे आज भी प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक तरीकों से जीवित रखा गया है। पांच दिवसीय मेले में करीब 3,000 से अधिक भारतीय निर्माता और निर्यातक शामिल हुए। 110 से अधिक देशों के खरीदारों ने भाग लिया, जिनमें अमेरिका, फ्रांस, स्पेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और यूके जैसे प्रमुख देशों के आयातक भी शामिल थे।प्रदर्शनी में विदेशी खरीदारों ने बाग उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई और बाग प्रिंट को वैश्विक बाजार में आगे बढ़ाने के लिए सहयोग की इच्छा जताई। भारत सरकार द्वारा जीआई टैग प्राप्त है बाग प्रिंट मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। यह कला न केवल पर्यावरण-अनुकूल है बल्कि भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान की सच्ची मिसाल भी है।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर किया गया 766 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के तहत जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। जिले में आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 600 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 166 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 112 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर बच्चों के टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है।

डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण विषय पर वेबीनार आयोजित

सीहोर (निप्र)। पीएम एक्सीलेंस शासकीय विधि महाविद्यालय में डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों, शिक्षा व्यवस्था एवं उनके संरक्षण की अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में तुलना करते हुए उपभोक्ता शिक्षा की आवश्यकता एवं जागरूकता के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा, डॉ. प्रदीप एस चौहान, प्रो. राजकुमार साहू सहित अन्य प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

रोजगार मेले में 108 युवाओं का हुआ प्रारंभिक चयन

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार शासकीय आईटीआई सीहोर में रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया गया। रोजगार मेले में कुल 193 युवक एवं युवतियों ने अपना पंजीयन कराया। इसमें से कुल 13 कंपनियों द्वारा 108 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। रोजगार मेले में सभी युवाओं को जिला रोजगार कार्यालय के काउंसलर एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा काउंसलिंग भी की गई। रोजगार मेले में अनेक स्वरोजगार विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए एवं नए प्रकरण तैयार किए गए। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर श्री सुरेन्द्र राजपूत, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, आईटीआई प्राचार्य श्री प्रकाश सिंह उइके, प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी श्री स्वप्निल श्रीवास्तव उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आदतन अपराधी को किया जिला बदर

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आदतन अपराधी राजकुमार उइके को जिला बदर किया है। राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) एवं (ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर ने राजकुमार पिता रामसिंह उइके उम्र 27 साल निवासी पाठइ थाना, शाहपुर तहसील को जिला बैतूल एवं उससे लगे सीमावर्ती जिले छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, खण्डवा एवं हरदा की राजस्व सीमाओं से 01 (एक) वर्ष की अवधि के लिए निष्कासित किया हैं।

बैतूल बाजार में पोषण युक्त व्यंजनों की प्रदर्शनी का आयोजन

बैतूल (निप्र)। मेरा युवा भारत बैतूल व महिला बाल विकास द्वारा पोषण माह के अंतर्गत मंगलवार को बैतूल बाजार में पोषण युक्त व्यंजनों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक महिला बाल विकास श्रीमती भुनेश्वरी मालवी ने बताया कि सरकार द्वारा हर साल सितंबर में आयोजित किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करना है। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जैसे कि लोगों को पोषण के महत्व और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित किए जाते हैं। लोगों को स्वस्थ आहार और पोषण के बारे में शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।धनंजय सिंह ठाकुर ने बताया कि समुदाय को पोषण कार्यक्रमों में शामिल करने और उन्हें जागरूक करने के लिए सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। आयुर्वेद के माध्यम से पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें शाद्रसा भोजन और मौसमी खाद्य पदार्थों पर जोर दिया जाता है। पम्मू मयूर राठौर ने लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिहार प्रवास के दौरान गया जी में श्री विष्णुपद मंदिर में दर्शन और पूजन अर्चन किया।

दुग्ध सहकारी समिति टिटोरा के बोनस वितरण समारोह में शामिल हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम टिटोरा में दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित टिटोरा द्वारा दुग्ध संकलन करने वाले प्रदायकों का बोनस वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने समिति के सदस्यों को बोनस वितरण किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में अधिक दुग्ध संकलन करने वाले प्रदायकों को सम्मानित किया गया। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने समारोह में उपस्थित समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दुग्ध उत्पादकों के हित में अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिससे किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि हो रही है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और समिति के सदस्य उपस्थित थे।

चिकित्सक समय का करें पालन, मरीजों से करें संवेदनशील व्यवहार : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

गर्भवती माताओं की शत-प्रतिशत जांच, अस्पतालों में स्वच्छता और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय सीधी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का मुआयना किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से संवाद कर उपचार सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि समाज में चिकित्सकों को भगवान का दर्जा प्राप्त है, इसलिए मरीजों के प्रति उनका व्यवहार भी संवेदनशीलता एवं सेवा भाव से परिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी डॉक्टर एवं स्टाफ समय का पालन करते हुए मरीजों को समर्पित भाव से उपचार प्रदान करें। इमरजेंसी कक्ष में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की सतत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीधी जिला चिकित्सालय में 100 बिस्तरीय एमसीएच विंग प्रारंभ होने से अस्पताल की क्षमता 300 से बढ़कर 400 बिस्तरों तक हो गई है, जिसके लिए पर्याप्त मानव संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि 16 करोड़ रुपये की लागत से क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है, वहीं आईपीएचएल लैब का निर्माण फरवरी 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है, जिससे जिलेवासियों को 136 प्रकार की जांचों की सुविधा एक ही स्थान पर प्राप्त होगी। उन्होंने जिले में आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया की जटिलताओं को दूर कर इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि समय पर पंजीयन एवं नियमित जांचें अनिवार्य रूप से की जाएं, जिससे हाई रिस्क गर्भवती माताओं की पहचान समय से हो सके। प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को आयोजित जांच शिविरों में महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा समुचित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था, साफ-सफाई तथा आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी शीघ्र पूरी की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वर्गीय श्रीमती हीराकली पाठक को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सिंगरौली जिले के देवसर विकासखंड के सुपेला गांव में विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती हीराकली पाठक के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने शोकाकुल परिवार से भेंट कर सांत्वना व्यक्त की।

रसायनिक औद्योगिक दुर्घटना से बचाव तकनीक पर कार्यशाला सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में रसायनिक औद्योगिक दुर्घटना से बचाव तकनीक विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें गेल इण्डिया के सेवानिवृत्त जनरल मैनेजर श्री एसएमएल श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभागियों को रसायनिक औद्योगिक दुर्घटनाओं के दौरान राहत एवं बचाव तकनीकों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण अभियान 3.0 प्रारंभ

9 दिसंबर तक चलेगा तंबाकू मुक्त युवा अभियान

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में कर्मचारियों और स्टाफ द्वारा तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता लाने, किसी भी तंबाकू उत्पाद का सेवन नहीं करने और अस्पताल परिसर को तंबाकू मुक्त और स्वच्छ रखने के लिए तंबाकू निषेध शपथ ली गई। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. नरसिंह गेहलोत सीएमएचओ के निर्देशन में और डॉ. सुनीता कामले सिविल सर्जन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विजयवर्गीय वरिष्ठ सर्जन, डॉ. गजेंद्र यादव आरएमओ डॉ. रजनी कुशवाह डेंटल सर्जन और जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम जिला नर्मदापुरम, डॉ. अखिलेश सिंघल डेंटल सर्जन, डॉ. मिलन सोनी डेंटल सर्जन डॉ. दिव्या पटेल डेंटल सर्जन, डॉ. श्रद्धा बदानी डेंटल सर्जन, सुनील साहू जिला मीडिया प्रभारी, हेमलता पटेल तंबाकू निषेध परामर्शदाता और अन्य अस्पताल स्टाफ उपस्थित थे।

तम्बाकू निवारण केंद्र जिला अस्पताल नर्मदापुरम में तम्बाकू उत्पादों की आदत वाले लोगों को परामर्श दिया जा रहा है और निकोटीन प्रतिस्थापन चिकित्सा/निकोटीन टैबलेट दी जा रही है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन नर्मदापुरम शहर के विद्यालयों में किया गया। पी.एम. श्री शासकीय हाई स्कूल ग्वालटोली नर्मदापुरम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता व प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

जिसमे बालिकाओ द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लिया गया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रागिनी व पूजा, द्वितीय स्थान मानसी वर्मा एवं तृतीय स्थान रोशनी को प्राप्त हुआ, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उर्वशी यादव और द्वितीय स्थान मुस्कान यादव व तृतीय स्थान चंचल मेहरा को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार प्रवसी यादव को प्राप्त हुआ।

उक्त कार्यक्रम का संचालन परियोजना नर्मदापुरम शहरी महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती लता नागराज द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में पी. एम. श्री शासकीय हाई स्कूल ग्वालटोली नर्मदापुरम की प्राचार्य श्रीमती आशा मंडले एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में महिला बाल विकास

विभाग की कार्यकर्ता व सहायिकाएं भी उपस्थित रही। इसी प्रकार मालाखेड़ी स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम माही यादव, द्वितीय नियति एवं तृतीय खुशी यादव रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम सुहाना खान, द्वितीय नेहा कहार एवं तृतीय दिव्यांशी यादव रही।

कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी श्रीमती प्रीति यादव, प्राचार्य श्री ए. तिर्की, पर्यवेक्षक राजकुमारी ममोरिया, कविता गौंड , शाला का स्टॉफ एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं उपस्थित रही।

अवैध रूप से संचालित क्लिनिक पर प्रशासन की कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं वैधता सुनिश्चित करने हेतु सतत निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि जिले में अवैध चिकित्सा संस्थानों एवं बिना पंजीयन संचालित क्लिनिकों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि उपचार के लिए केवल पंजीकृत एवं अधिकृत चिकित्सालयों का ही चयन करें। इसी क्रम में कुरवाई तहसील के ग्राम सिहोरा में अवैधानिक रूप से संचालित एक क्लिनिक की जांच अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की उपस्थिति में की गई। क्षेत्र के तहसीलदार श्री नागेश पवार ने बताया कि जांच के दौरान क्लिनिक में एक्सपायरी डेट की दवाइयां पाई गई, जिन्हें डॉक्टर द्वारा मौके पर ही जप्त किया गया। नियमों के उल्लंघन एवं मरीजों के स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही को दृष्टिगत रखते हुए क्लिनिक को तत्काल प्रभाव से सील किया गया।

कलेक्टर सूर्यवंशी के निर्देश पर अवैध कब्जा हटाया गया, वास्तविक भू मालिक को सौंपी गई भूमि

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर तहसीलदार बैतूल श्री गोवर्धन पाठे ने त्वरित कार्रवाई कर ग्राम नायकचारसी कोलगांव स्थित खसरा नंबर 115/1 रकबा 0.222 हेक्टेयर भूमि से अवैध कब्जा हटाकर भूमि उसके वास्तविक मालिक मोहन साहू को सौंपी। उल्लेखनीय है कि श्री मोहन साहू ने जनसुनवाई में अपनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत कलेक्टर श्री सूर्यवंशी से की थी। कलेक्टर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच और कार्यवाही के निर्देश दिए थे।जांच में यह स्पष्ट हुआ कि भूमि पर राजेश पिता ब्रजलाल साहू निवासी कोलगांव द्वारा अवैध कब्जा किया गया था।तहसीलदार न्यायालय एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैतूल के आदेश के अनुपालन में प्रशासनिक दल ने बुधवार को राजस्व अमला, तहसीलदार श्री पाठे और पुलिस बल की उपस्थिति में जेसीबी मशीन से कब्जा हटाने की कार्रवाई की।

सहयोग से बढ़ेगी पढ़ाई में सुविधा, विद्यार्थियों को मिला फर्नीचर

विदिशा (निप्र)। बासौदा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत दिलवाड़ा स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला खजूरी में हुडको कंपनी द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत 50 स्टडी टेबल और कुर्सियों का सेट प्रदान किया गया। इस सहयोग से विद्यालय के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर सुविधा प्राप्त हुई है।

फर्नीचर प्राप्त कर विद्यार्थियों में उत्साह देखा गया। उन्होंने कहा कि अब पढ़ने-लिखने में अधिक सहूलियत होगी और कक्षाओं का वातावरण और भी अनुशासित बनेगा। शिक्षकों ने कंपनी की इस पहल को विद्यालय के लिए ÷अमूल्य योगदान÷ बताया। जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने कंपनी के प्रतिनिधियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बच्चों से कहा खूब मन लगा पढ़ाई करे शिक्षा प्राप्ति के लिए हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई जायेगी इन सुविधाओं की साख में वृद्धि परीक्षा परिणाम से रोशन करें। हुडको के प्रतिनिधि ने कहा कि दू हमारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना है ताकि वे भविष्य में सफलता की नई ऊँचाइयाँ छू सकें। विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने कंपनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फर्नीचर आने वाले वर्षों तक विद्यार्थियों के लिए उपयोगी रहेगा और शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

पीएमएफएमई योजनान्तर्गत मुलताई और आमला में कैम्प का आयोजन

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना पीएमएफएमई के अन्तर्गत मुलताई के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बेरोजगार युवा, उद्यमियों के कुल 16 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 08 प्रकरण स्वीकृत करते हुए। अंतिम स्वीकृति जारी की गयी। शेष प्रकरण 02 दिवस में स्वीकृत करने बैंक अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है। आमला विकासखण्ड 15 अक्टूबर को स्टेट बैंक ऑफ इंडियाङ्शाखा आमला में आयोजित शिविर में युवा उद्यमियों के कुल 12 प्रकरण प्राप्त हुए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संसदीय क्षेत्र रायसेन में ली उच्चस्तरीय बैठक, कहा खाद के लिए

किसानों को लाइन में नहीं लगना पड़े

रायसेन। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत रायसेन जिले की स्थानीय कलेक्ट्रेट कार्यालय में उच्चस्तरीय बैठक लेकर जनहित के विभिन्न मामलों में विस्तार से समीक्षा कर निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में रायसेन जिले में खाद की उपलब्धता की समीक्षा की और जिले के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिलाधिकारियों से पूरी जानकारी ली। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को कहीं भी कोई दिक्कत नहीं होना चाहिए, इसके लिए समुचित व्यवस्थाओं के निर्देश देते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को लाइन में नहीं लगना पड़े, ऐसी व्यवस्था होना चाहिए। बैठक में केंद्रीय उर्वरक मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और मध्य प्रदेश के वरीय अधिकारी भी जुड़े रहे, जिन्हें शिवराज सिंह ने स्पष्ट तौर पर कहा कि रबी की फसल के लिए किसानों को खाद को लेकर कोई कमी नहीं होनी चाहिए। हम प्राण-प्रण से प्रयास करें, जिससे कि किसानों को खाद की कमी न हो। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि जितना डीएपी की आवयश्कता है, वो बता दें मैं दिल्ली में भी बात करूंगा तथा खाद वितरण की अभी क्या व्यवस्था है, इसे भी सुदृढ़ करें और सुनिश्चित करें कि कालाबाजारी न हों, डायवर्ट न हो, जहां के लिए खाद आई है, वहीं बिके। शिवराज सिंह ने कलेक्टर को निर्देशित करते हुए कहा कि आप दो चीजों पर वर्कआउट करें, आपको डीएपी की कितनी आवयश्कता है और दूसरी वितरण व्यवस्था ऐसी बनाएं कि किसानों को लाइन में न लगना पड़े।

कृषि मंत्रालय, फर्टिलाइजर मिनिस्ट्री और राज्य सरकार मिलकर खाद की समस्या नहीं हो, यह सुनिश्चित करें- शिवराज सिंह ने कहा कि हम प्रयास करें कि किसान आश्वस्त हों कि खाद की कोई कमी नहीं है, कई बार हड़बड़ी में ज्यादा स्टॉक कर लेने से भी कमी आ जाती

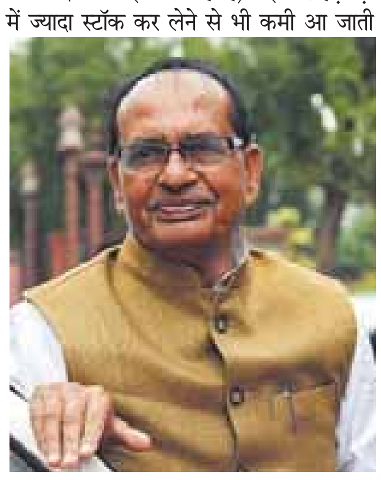

है। उन्होंने कहा कि किसानों को ये गारंटी दे कि उन्हें खाद जरूर मिलेगा। सोशल मीडिया में खाद को लेकर हर दिन बुलेटिन भी जारी कर सकते हैं कि कितना खाद उपलब्ध है।।

एक अन्य महत्वपूर्ण विषय पर शिवराज सिंह बोले कि स्थानीय अधिकारी सोयाबीन की फसल के नुकसान का सही आंकलन कर भेजेंगे तो किसानों को क्लेम के पैसे दिलाने की जिम्मेदारी मेरी है। शिवराज सिंह ने कहा कि आरबी 6/4 के प्रावधान और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से हम किसानों को राहत दिलाएंगे। शिवराज सिंह ने कलेक्टर से पूछा कि आपने क्या क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट करके सर्वे करा लिया है, यदि कराया है तो उसे राज्य सरकार के माध्यम से मुझ तक भेजें। मैं फसल बीमा की एजेंसी से बात करूंगा। ये हमारी ड्यूटी है कि हम सही से सर्वे कराएं, जिससे किसानों को संतोष हो। शिवराज सिंह ने यह भी साफ तौर पर कहा कि अरहर, सोयाबीन और मक्का के मामले को पूरी गंभीरता से लें। शिवराज सिंह ने कहा कि एक और विषय मेरे संज्ञान में आया है कि रिमोट सेंसिंग से गेहूं का आंकलन तो सही हो जाता है लेकिन सोयाबीन का नहीं हो पाता, इसलिए क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट के माध्यम से आंकलन करे, जिससे कि सही से सर्वे हो जाए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह पिछले दिनों बाढ़ पीड़ितों के पास भी गए थे, जिन्हें मदद देने को लेकर उन्होंने बैठक में विषय उठाया और कहा कि मकान क्षतिग्रस्त होने की रिपोर्ट मिलते ही वे केंद्र के स्तर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय से घर, शौचालयों आदि मिलाकर मनरेगा से 1.60 लाख रुपए दिलवाएंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के जिन घरों का दौरा करने वे गगए थे, मेरी चिंता यह है कि उनके घर बन जाएं। अधिकारी जल्दी रिपोर्ट दें कि कितने घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, ताकि उन्हें घर, शौचालयों आदि मिलाकर प्रति घर वे 1.60 लाख रुपए दिलवाएंगे। शिवराज सिंह ने रायसेन नगर पालिका की सड़कों की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की और आवश्यक निर्माण एवं सुधार, स्वच्छता और दिवाली पर शहर की व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा दिवाली गिफ्ट!

महंगाई भत्ते में हो सकती है तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में पेंशनरों की महंगाई राहत दो प्रतिशत बढ़ाने के बाद अब माना जा रहा है कि सरकार कर्मचारियों का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ा सकती है। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दीपावली के पहले या फिर एक नवंबर को प्रदेश के स्थापना दिवस पर आयोजित राज्योत्सव में कर सकते हैं।

भारत सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए जुलाई से महंगाई भत्ता 55 से बढ़ाकर 58 प्रतिशत कर दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी इसे लागू कर दिया है। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा सहित अन्य संगठन भी प्रदेश में महंगाई भत्ता और राहत बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

बजट में 64 प्रतिशत के हिसाब से प्रविधान

विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2025-26 के बजट में महंगाई भत्ता और राहत के लिए 64 प्रतिशत के हिसाब से प्रविधान रखा गया है। अभी 55 प्रतिशत की दर से भुगतान किया जा रहा है। वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वित्तीय प्रविधान उपलब्ध हैं। नीतिगत मामला होने के कारण निर्णय मुख्यमंत्री के स्तर से ही होगा। इसके बाद ही महंगाई राहत में वृद्धि छत्तीसगढ़ सरकार की सहमति के लिए पत्र भेजा जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम में पेंशनरों के संबंध में निर्णय लेने से पहले दोनों राज्यों के बीच सहमति का प्रविधान है।

अभी 55 प्रतिशत मिल रहा है महंगाई भत्ता

प्रदेश के सभी सात लाख नियमित कर्मचारियों को वर्तमान में 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है। भारत सरकार के इसमें तीन प्रतिशत की वृद्धि के निर्णय के बाद प्रदेश में भी महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग उठ रही है। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री से महंगाई भत्ता और पेंशनरों की महंगाई राहत में दीपावली के पहले जुलाई 2025 से तीन प्रतिशत की वृद्धि के साथ जुलाई से सितंबर तक का एरियर देने की मांग की है। मोर्चे में शामिल सभी संगठनों की प्रांतीय बैठक दीपावली के बाद भोपाल में बुलाई जाएगी जिसमें लंबित मांगों पर चर्चा कर आगामी कार्य योजना तैयार की जाएगी।

महाकाल मंदिर में मिलेंगे स्वास्थ्यवर्धक रागी के लड्डू

दीपावली से होगी शुरुआत, रागी का लड्डू श्रद्धालुओं को ब्लड प्रेशर, हार्ट के रोगों से बचाएगा

उज्जैन (नप्र)। ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर देश का पहला मंदिर रहेगा, जहां पर श्रीअन्नम् रागी लड्डू प्रसाद मिलेंगे। दीपावली पर श्री महाकालेश्वर को भोग लगाकर इसकी शुरुआत की जाएगी। रागी के लड्डू में ड्रायफ्रूट मिलाकर महाकाल मंदिर से ही बेचा जाएगा। खास बात ये कि मंदिर समिति लड्डुओं को नो प्रॉफिट-नो लॉस में बेंचेगी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि इसी दिवाली से रागी के लड्डुओं की शुरुआत की जाएगी। फिलहाल लड्डू अन्न क्षेत्र में बनाए जाएंगे, श्रद्धालुओं के सेहत को ध्यान में रखते हुए रागी के लड्डुओं का निर्णय लिया गया है। जिसे महाकाल मंदिर समिति देसी घी गुड़ और ड्रायफ्रूट से बनवाएगी। यह लड्डू मंदिर के सभी दान काउंटर के पास श्रद्धालुओं को मिल सकेगा। फिलहाल प्रति माह 50 क्विंटल बनाने की योजना है।

श्री अन्नम् रागी लड्डू प्रसाद से ये होंगे फायदे- हड्डियों को मजबूती रागी में कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस होता है, जो हड्डियों को मजबूत करता है। इससे आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया को रोकने में मदद मिलती है। रागी के लड्डू ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं।

इनमें मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और एजिंग के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं। रागी से थकान दूर होती है और शरीर सक्रिय रहता है।

फिलहाल इन कीमतों में मिलेगा- श्री महाकालेश्वर मंदिर में बनने वाला लड्डू 400 रुपए किलो में श्रद्धालुओं को मिलेगा। रागी के लड्डू मंदिर से 50 रुपए , 100 रुपए, 200 रुपए और 400 रुपए के पैकेट में मिलेंगे।

मंत्री के काफिले की गाड़ी ने 7 को उड़ाया

ई-रिक्शा को मारी टक्कर, न मंत्री रुके-न काफिला ; डॉक्टर बोले- बुजुर्ग का पैर काटना पड़ेगा

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार के काफिले में चल रहे फॉलोअप वाहन ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। ई-रिक्शा चालक समेत 7 लोग घायल हो गए। एक बुजुर्ग के पैरों में गंभीर चोट आई है। ग्वालियर के अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई है। डॉक्टर का कहना है कि एक पैर काटना पड़ेगा। हादसा गुरुवार शाम लवकुश नगर थाना इलाके के बसंतपुर तिराहे के पास हुआ।

गुधौरा गांव के रहने वाले साहब सिंह (70) दिवाली के लिए सामान खरीदकर लवकुश नगर से अपने गांव लौट रहे थे। ई-रिक्शा में सात लोग सवार थे। इसी दौरान फॉलोअप वाहन ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। जिससे वह पलट गया। गंभीर रूप से घायल साहब सिंह को लवकुश नगर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पहले जिला अस्पताल फिर ग्वालियर रेफर कर दिया गया। लवकुश नगर एसडीओपी नवीन दुबे ने कहा- जिस वाहन ने ई-रिक्शा को टक्कर मारी, उसकी तलाश कर रहे हैं। वही, सूत्रों के मुताबिक जिस गाड़ी ने ई-रिक्शा को टक्कर मारी, वह छटेकुआ निवासी पुष्पेंद्र सिंह की है। मीडिया ने हादसे पर प्रतिक्रिया लेने के लिए मंत्री दिलीप अहिरवार को भी फोन लगाया। लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया गया।

दशहरा मिलन समारोह से लौट रहे थे मंत्री- राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार बरहा गांव में दशहरा मिलन समारोह में शामिल होकर लवकुश नगर लौट रहे थे।छतरपुर जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. नीरज सोनी ने बताया कि वृद्ध की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है।

मंत्री बोले- मुझे मामले में मत फंसाओ- साहब सिंह के बेटे पुष्पेंद्र सिंह ने बताया- मंत्री के काफिले की चार गाड़ियां निकल गई थीं। पांचवीं गाड़ी ने ई-रिक्शा को टक्कर मारी। कार मेरे पिता के पैरों से टकराते हुए निकली। रिक्शा पलट गया। काफिले के पीछे चल रही गौरिहार थाना पुलिस ने घायलों को लवकुश नगर अस्पताल पहुंचाया।

पटवारी के प्रदर्शन पर शिवराज का जवाब

केंद्रीय कृषि मंत्री बोले,जीतू सोयाबीन की बात कर रहे और गेहूं का बोरा लेकर आ गए

भोपाल (नप्र)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के प्रदर्शन पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में जवाब दिया है। उन्होंने मीडिया से कहा कि जीतू सोयाबीन की बात कर रहे थे और गेहूं का बोरा लेकर आ गए। बता दें कि बुधवार को पटवारी ने भोपाल में प्रदर्शन किया था। वे और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक किसानों को साथ लेकर चौहान के बंगले पहुंच गए। जहां उन्होंने भावांतर के स्थान पर भाव (एमएसपी) देने पर चर्चा की थी। मामलों में पटवारी-नायक सहित 25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। मैं तो हर एक की बात सुनता हूं लेकिन बात में वजन हो। वो बात करने आए थे सोयाबीन की और बोरा लेकर आ गए गेहूं का.... और पूरे साजो समान के साथ, दो-दो, तीन-तीन माइक लगाए। उनका किसानों से कोई वास्ता नहीं था।

पटाखा दुकानों में लगी आग, भगदड़ मची

धार में धमाकों के साथ तेजी से भड़कीं, 3 लोग झुलसे ; 20 दुकानें और 5 मकान भी जले

मनावर(धार) (नप्र)। धार जिले के गंधवानी में एक साप्ताहिक बाजार में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। पटाखा दुकानों से शुरू हुई आग ने तेजी से 20 से ज्यादा दुकानों को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद वहां भगदड़ मच गई। आग से तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

घटना बिल्दा गांव के बाजार में शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे की है। स्थानीय लोगों और दमकलों की मदद से शाम 4.30 बजे आग पर काबू पाया जा सका।

पटाखे की चिंगारी से बढ़ी आग- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक दुकान पर बच्चा पटाखे देख रहा था तभी चिंगारी दूसरे पटाखों पर गिरी। कुछ ही मिनटों में आग भड़ककर आसपास की कई दुकानों तक फैल गई।स्थानीय व्यापारी शब्बीर बोहरा ने बताया कि इस दौरान एक बाइक भी जल गई। आग से करीब 50 लाख रुपए का नुकसान हुआ। दुकानों के पास से लगे 5 मकान भी जले हैं।

लोगों और दमकल कर्मियों ने बुझाई आग- आग तेजी से फैल रही थी, लेकिन स्थानीय लोगों और दमकल कर्मियों की तत्परता से जल्द काबू पा लिया गया। हाट बाजार की भीड़ और आसपास के रिहायशी इलाके के बावजूद बड़ा हादसा टल गया। आग से पटाखा और अन्य दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ। सूचना मिलने पर गंधवानी तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे।

6 घायलों में 3 को धार किया रेफर

गंधवानी थाना प्रभारी प्रदीप खन्ना ने बताया कि घटना में मालसिंग पिता मोहन (45), संतुबाई (42), कालू (55) पिता थावरिया की हालत गंभीर होने पर जिला मुख्यालय धार रेफर किया गया है। डॉ. भव्या वास्केल ने बताया कि फिलहाल स्थिति सामान्य है। वहीं शाम 5 बजे डेबर सिंह (55) पिता थावरीया, मेह सिंह पिता नवल सिंह (35) और सारीबाई पति नवसिंह को इलाज के लिए लाया गया है।

अब 24 अक्टूबर तक नाम जुड़वा सकेंगे वोटर

पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के लिए तैयार की जा रही वोटर लिस्ट

भोपाल (नप्र)। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के लिए एक हफ्ते का समय और बढ़ा दिया है। अब 24 अक्टूबर तक वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और काटने की कार्यवाही की जा सकेगी। इसके बाद 21 नवंबर को पंचायतों और नगरीय निकायों के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायतों के लिए मतदाता सूची तैयार करने का काम इस समय जिलों में चल रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने आज खत्म हो रही वोटर लिस्ट में नाम

जुड़वाने और कटवाने की तारीख में बदलाव कर दिया है।

सचिव दीपक सिंह ने सभी जिलों के कलेक्टरों को दिए निर्देश में कहा है कि नगर पालिकाओं और पंचायतों में मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया 8 से 17 अक्टूबर तक चलाई जा रही है। इसकी समय सीमा अब 24 अक्टूबर कर दी गई है। इसके अंतर्गत दावा आपत्ति लेने की प्रक्रिया होगी, जिसमें मतदाताओं को नाम जोड़ने और काटने के लिए आवेदन बीएलओ लेंगे।

ऐसे चलेगी मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया

- 24 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे तक आवेदन लिए जाएंगे।
- रजिस्ट्रीकरण अधिकारी यानी तहसीलदार 4 नवंबर 2025 तक इसका निराकरण करेंगे।
- ईआरएमएस में एंट्री 10 नवंबर तक की जाएगी।
- चेकलिस्ट तैयार करने का काम 13 नवंबर तक होगा।
- चेकलिस्ट की जांच कर गलती सुधारने के बाद वेंडर को लौटाने का काम 17 नवंबर तक किया जाएगा।
- फोटोयुक्त और फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची जनरेट करने का काम 18 नवंबर को किया जाएगा।
- 20 नवंबर को फोटोयुक्त मतदाता सूची को प्रिंट कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराया जाएगा।
- 21 नवंबर को फोटो युक्त मतदाता सूची का प्रकाशन नगर पालिका के वार्ड तथा अन्य चिन्हित स्थानों पर किया जाएगा।
- 22 नवंबर को राजनीतिक दलों को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में मतदाता सूची उपलब्ध कराई जाएगी।

बिजली पोल से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटे , एक की मौत

नर्मदापुरम में 10 फीट नीचे जाकर गिरे वाहन के नीचे दबा था व्यक्ति

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटकर करीब 10 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मामला शोभापुर के पास निवारी रेलवे फाटक के करीब शुक्रवार दोपहर 3 बजे का है।

पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर में बिजली के पोल लदे हुए थे। ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ने से वाहन पलट गया और उसमें सवार दोनों लोग नीचे जा गिरे। ग्रामीणों की मदद से दोनों को तुरंत सोहागपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल को बेहतर उपचार के लिए नर्मदापुरम रेफर किया गया।

मृतक की पहचान इस्माइल खान (35 वर्ष) निवासी सोहागपुर के रूप में हुई है, जबकि घायल शाहिद खान, गांधी वार्ड सोहागपुर का रहने वाला है।

शोभापुर पुलिस चौकी प्रभारी सुरेश चौहान ने बताया कि हादसा निवारी रेलवे फाटक से करीब 100 मीटर पहले हुआ। ट्रैक्टर बिजली के पोल लेकर जा रहा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह पलटकर नीचे जा गिरा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मप्र के कांग्रेस जिलाध्यक्षों की राहुल गांधी लेंगे क्लास

2 नवंबर से ट्रेनिंग कैंप ; खड़गे समेत कई एक्सपर्ट आएंगे ; अगले चुनावों की रणनीति बनेगी

भोपाल (नप्र)। एमपी के कांग्रेस जिलाध्यक्षों की अगले महीने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी क्लास लेंगे। पचमढ़ी के होटल हाईलैंड में 2 नबवर से 11 नवंबर तक ट्रेनिंग कैंप चलेगा। सभी 71 जिला अध्यक्ष 10 दिन यहां ही रहेंगे। पार्टी ने इसके लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं।

इस ट्रेनिंग कैंप में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा, शशिकांत सेंथिल, सहित तमाम दिग्गज नेता और एक्सपर्ट शामिल होंगे। बिहार चुनाव के चलते राहुल गांधी के आने की तारीख तय नहीं हुई है। एमपी कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी को दो दिन शामिल रहने का प्रस्ताव भेजा गया है।

अध्यक्षों से खुद चर्चा करेंगे राहुल गांधी- ट्रेनिंग के दौरान राहुल गांधी जिला अध्यक्षों को न केवल संबोधित करेंगे, बल्कि, जिला अध्यक्षों से

वन टू वन बातचीत भी करेंगे। जिला अध्यक्षों से उनके जिले की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं।

गनमैन, ड्राइवर, पीए को एंट्री नहीं- पचमढ़ी के ट्रेनिंग कैंप में जिलाध्यक्षों को पीसीसी की ओर से भेजे गए पत्र में लिखा है कि आपको समय से पहले इसलिए सूचना दे रहे हैं ताकि आप हर दृष्टि से तैयारी कर लें। 2 नवंबर को सुबह 10 बजे तक हर हाल में प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। जिलाध्यक्षों के गनमैन, ड्राइवर, पीए को एंट्री नहीं दी जाएगी।

अगले चुनावों का रोडमैप होगा तैयार- ट्रेनिंग कैंप में कांग्रेस जिलाध्यक्षों को अपने जिले में ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, वार्ड, ग्राम पंचायत और बूथ लेवल तक संगठन बनाने के बारे में बताया जाएगा। आगामी समय में होने वाले नगरीय निकाय, पंचायत चुनाव और 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर कैसे रणनीति बनाना है, इसका पूरा रोडमैप बताया जाएगा।

10 दिन का मिनट टू मिनट कार्यक्रम तय

प्रशिक्षण शिविर में दस दिन की ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के सुबह उठने से लेकर रात तक सोने का मिनट टू मिनट का प्रोग्राम तय किया गया है। प्रतिदिन सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 7-8 बजे तक चलेगा।

इसमें सुबह की सैर, योग और ध्यान जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी। जिले में कार्यकारिणी से लेकर, ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, वार्ड, ग्राम पंचायत और बूथ स्तर पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का चयन कैसे करना है। पार्टी के दिग्गज नेता बताएंगे।

एमपी में अब मिलावटखोरों की खैर नहीं...

भोपाल फूड लैब को मिली मान्यता, धड़ाधड़ आएंगी सैंपल रिपोर्ट

ग्वालियर (नप्र)। त्योहारी सीजन में सैंपल लेने के बाद भी उनकी रिपोर्ट न आना बड़ी मुसीबत बनी हुई थी, जो अब खत्म हो गई है। भोपाल स्थित फूड लैब को नेशनल एक्रेडेटेड ब्यूरो लैबोरेट्री (एनएबीएल) का सर्टिफिकेट मिल गया है। एक्रीडिएशन (मान्यता) होने के बाद से प्रदेश भर के जिलों के पेंडिंग पड़े खाद्य सैंपलों की रिपोर्ट लैब ने भेजना शुरू कर दिया गया है। ग्वालियर के 400 से ज्यादा सैंपल अटके पड़े हैं, जिनकी रिपोर्ट डिस्पैच होना शुरू हो गई है।

भोपाल लैब में अटकी थीं सैंपल रिपोर्ट

बता दें कि भोपाल स्थित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के पास नेशनल एक्रेडेटेड ब्यूरो लैबोरेट्री (एनएबीएल) का सर्टिफिकेट नहीं था, जिसे लेकर प्रक्रिया चल रही थी। इस कारण सैंपल रिपोर्ट भोपाल लैब में अटकी थी। जनवरी से लेकर अगस्त के बीच जो सैंपल लिए गए हैं, उनकी रिपोर्ट अभी तक अप्राप्त है।

तेजी से सैंपल रिपोर्ट आने की उम्मीद

खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से लगातार पत्र भी लिखे गए, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अब लैब शुरू होने के बाद तेजी से सैंपल रिपोर्ट आने की उम्मीद है। प्रदेश में भोपाल के अलावा इंदौर में भी लैब है, जिसकी मान्यता अभी नवीनीकृत नहीं हुई है।